आज का विचार

सिर्फ धोखा ही शुद्ध मिलता है। इसके अलावा इस जमाने में सभी चीजें मिलावटी ही मिलती हैं।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 28 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 128, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए निवेशकों दे जरूरी सहयोग: योगी

मुख्यमंत्री ने स्टेट ट्रान्सफॉर्मेशन कमीशन की चौथी बैठक की अध्यक्षता की, कहा- निवेश सम्बन्धी परियोजनाओं में अनावश्यक विलम्ब स्वीकार्य नहीं

सिटी दर्पण संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट तक आवागमन के लिए प्राथमिक चरण में 110 इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 15 जून से प्रस्तावित उड़ान संचालन से पहले सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह सुदृढ़ किया जाए। ज्ञातव्य है कि जेवर अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के संचालन के साथ ही, यात्रियों को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारियां तेज हो गई है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां स्टेट ट्रान्सफॉर्मेशन कमीशन की चौथी बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सीएम समीक्षा में शामिल परियोजनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सेल गठित कर इन परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र में 500 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विस्तार पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग 15.5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं तथा वर्ष 2030 तक 10 हजार चार्जिंग स्टेशन विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक लगभग 2,500 चार्जिंग स्टेशन संचालित हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को नई गति देगी। उन्होंने भूमि अधिग्रहण और विनिमय सम्बन्धी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए लगभग 55 प्रतिशत भूमि अर्जित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे, जेवर लिंक एक्सप्रेस-वे और झांसी लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण जून माह के अन्त तक पूरा कर लिया जाए। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेस-वे का एलाइनमेण्ट स्वीकृत हो चुका है तथा भूमि अधिग्रहण की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निवेश सम्बन्धी परियोजनाओं में अनावश्यक विलम्ब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने लम्बित मामलों के शीघ्र निस्तारण और निवेशकों के साथ सतत संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में अवगत कराया गया कि मल्टी मोडल लॉजिस्टिक हब के लिए 323 हेक्टेयर भूमि में से 301 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा प्राप्त हो चुका है। डेवलपर चयन के लिए निविदा की अंतिम तिथि बढ़ाकर 6 जुलाई, 2026 कर दी गई है। वहीं मल्टी मोडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए 200 हेक्टेयर में से 144 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध हो चुकी है तथा शेष भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है।

मुख्यमंत्री जी ने औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के लिए मॉडल बिल्डिंग बायलॉज को निवेश अनुकूल व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि भवन स्वीकृति सम्बन्धी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी तथा समयबद्ध बनाया जाए। उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि ग्रामीण स्तर पर योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि राज्य स्तर पर 136 रिक्त पदों में से 40 पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा शेष 96 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर 360 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया संचालित है।

मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने अर्बन चैलेंज फण्ड के अन्तर्गत प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए आधुनिक नगरीय अवसंरचना का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए।

प्रदेश की सभी आईटीआई में बनेंगी मॉडर्न वर्कशॉप: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के अगले 5 वर्षों के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की सभी आईटीआई की वर्कशॉप को मॉडर्न करके यहां आधुनिक जरूरतों के अनुरूप उपकरण उपलब्ध करवाए जाएं। सभी विद्यार्थियों को रोजगार सुनिश्चित करने के लिए आईटीआई के कोर्स और पढ़ाई को उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार किया जाए ताकि युवाओं को कोर्स खत्म होते ही रोजगार मिल सके और उद्योगों को अपनी आवश्यकता के अनुसार कुशल युवा उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही स्वरोजगार करने वाले युवाओं को भी प्रोत्साहित किया जाए और उनके आइडियाज को स्टार्ट-अप में बदलने के लिए उनकी सहायता की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश हरियाणा विजन 2047 के अंतर्गत आज हरियाणा सिविल सचिवालय में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के अगले 5 वर्ष की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि आईटीआई, पोलिटेक्निक व वोकेशनल शिक्षा देने वाले सभी संस्थानों के शिक्षकों की भी समय-समय पर ट्रेनिंग और उद्योगों के

साथ कॉर्डिनेशन करवाया जाए ताकि वे अपने विद्यार्थियों को समय की मांग के अनुरूप तैयार कर सकें। सरकार भी युवाओं को नौकरी देने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन राशि दे रही है ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ उद्योगों की जरूरतों में बदलाव हुए हैं लेकिन आईटीआई जैसे प्रशिक्षण संस्थान अभी भी पुरानी पद्धति से पढ़ाई करवा रहे हैं। इसके चलते उद्योगों को कार्यकुशल युवा नहीं मिल पा रहे हैं और कोर्स कर चुके युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता है। इसके लिए जरूरी है कि सभी आईटीआई में कोर्स और वर्कशॉप को पूरी तरह से उद्योगों की मांग के अनुरूप व मॉडर्न किया जाए। युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन ने बताया कि आईटीआई की वर्कशॉप्स को मॉडर्न करने का सर्वे करवाया जा रहा है। पहले चरण में सर्वे हो चुकी आईटीआई के लिए 10 करोड़ रुपये के आधुनिक उपकरणों की खरीद के ऑर्डर कर दिए गए हैं, जल्द ही ये उपकरण आईटीआई में पहुंच जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग उद्योगों के साथ एमओयू साइन करके युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें रोजगार के काबिल बनाए। विभाग सभी उद्योगों से समन्वय बनाकर उनकी जरूरतों का अध्ययन करे और उसी के अनुरूप कुशल युवा तैयार करे। उन्होंने कहा कि अगली तिमाही में होने वाली बैठक में विभाग उन्हें यह विवरण प्रदान करे कि कितने उद्योगों के साथ समझौते किए गए हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आईटीआई व पोलिटेक्निक के शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिलवाया जाए ताकि वे भी अपने आप को समय की जरूरत के अनुसार अपडेट कर सकें। आईटीआई शिक्षकों को उद्योगों की जरूरतों का अध्ययन करने के लिए औद्योगिक इकाइयों में भी भेजा जाए। इसी प्रकार समय-समय पर उद्योगों के प्रतिनिधि या विशेषज्ञों को आईटीआई में बुलाकर विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम करवाए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि कुरुक्षेत्र में प्रदेश स्तरीय इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग सेंटर खोलने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सेंटर तैयार होने तक प्रदेश के श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर इसी साल से शिक्षकों की ट्रेनिंग करवाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए अधिक से अधिक रोजगार मेले लगवाए जाएं। मुख्यमंत्री ने गत वर्ष आयोजित किए गए रोजगार मेलों की संख्या और इनके माध्यम से रोजगार प्राप्त युवाओं की संख्या की जानकारी मांगते हुए कहा कि प्लेसमेंट और ऑफर लैटर मिलने वाले युवाओं की ट्रेकिंग करवाई जाए ताकि पता लगे कि उसे स्थाई रोजगार मिला है या नहीं। उन्होंने कहा कि रोजगार अधिकारियों को भी उद्योगों में जाकर उनकी जरूरतों की जानकारी लेते रहना चाहिए और उसी के अनुरूप विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी व स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल यादव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गंगटोक में पिंक सिटी रनर बसों का किया शुभारंभ

यात्रियों को नियमित किराए का केवल आधा भुगतान करना होगा

एजेंसी (हि.स.)
गंगटोक

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजधानी गंगटोक के रिज पार्क में आज पिंक सिटी रनर बस सेवा का शुभारंभ किया। इस सुविधा को 'आमा-दिदी-बहिनी बस सेवा' के रूप में भी जाना जाता है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के दैनिक आवागमन को सुरक्षित, अधिक विश्वसनीय और किफायती बनाना है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मंगलवार को तीन दिवसीय यात्रा पर सिक्किम पहुंचीं। यात्रा के दूसरा दिन आज सुबह भारत-चीन सीमा नाथूला दर्रे की उनकी यात्रा थी, जिसे खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया। राजधानी में सिक्किम विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने से पहले राष्ट्रपति ने यहां रिज पार्क में पिंक सिटी रनर बस सेवा को हरी झंडी दिखाई। इस अवधारणा की घोषणा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने अक्टूबर 2025 में की थी।

महिलाओं को समर्पित यह परिवहन सेवा सिक्किम सरकार ने शुरू की है, जिसे 'आमा-दिदी-बहिनी बस सेवा' के रूप में भी जाना जाता है। इस सेवा का उद्देश्य महिला यात्रियों के लिए गंगटोक के भीतर दैनिक यात्रा को सुरक्षित, अधिक विश्वसनीय और किफायती बनाना है। यह सेवा रानीपूल

से टाशीलिंग सचिवालय (लगभग 14 किमी) तक के मार्ग पर संचालित होगी।

यह बस सेवा पूरी तरह से महिला चालकों और कंडक्टरों द्वारा संचालित है और विशेष रूप से महिला यात्रियों की जरूरतों को पूरा करेगी। इसे यात्रियों की सुरक्षा और महिलाओं के लिए अधिक सुविधाजनक यात्रा अनुभव पर ध्यान केंद्रित करते हुए बनाया गया है। सार्वजनिक परिवहन के व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए यात्रियों को नियमित किराए का केवल आधा भुगतान करना होगा, जबकि राज्य सरकार शेष राशि सब्सिडी के रूप में प्रदान करेगी।

इस पहल से सुरक्षित परिवहन तक पहुंच में सुधार होने के साथ-साथ पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। बताया गया है कि पिंक सिटी रनर का शुभारंभ महिला सशक्तिकरण, समावेशी विकास और कल्याणकारी शासन पर राज्य सरकार के निरंतर ध्यान के अनुरूप है।

उद्घाटन समारोह में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, परिवहन विभाग के सलाहकार मदन सिंचुरी, सिक्किम सरकार के मुख्य सचिव आर. तेलांग, गृह (प्रोटोकॉल) बेनू गुरुंग, सूचना और जनसंपर्क विभाग की सचिव अन्नपूर्णा आले और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चुनाव आयोग पर कई सवाल खड़े हुए: कांग्रेस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर की संवैधानिक वैधता को स्वीकार किया है, लेकिन फैसले में कई ऐसे बिंदु हैं जो चुनाव आयोग की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं।

सिंघवी ने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है

कि नागरिकता तय करने का अंतिम अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। नागरिकता अधिनियम के तहत यह अधिकार सक्षम प्राधिकारी- जैसे गृह मंत्रालय के पास है। इसके बावजूद करोड़ों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए और उनका मताधिकार प्रभावित हुआ।

उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले के पैरा 97 से 101 तक पढ़ने से स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया में गंभीर खामियां थीं। बिहार में 65 लाख मतदाताओं के निष्कासन और बाद में उनके नाम दोबारा प्रकाशित किए जाने पर सिंघवी ने कहा कि यह सुधार राजनीतिक दलों और गैर सरकारी संगठनों की अदालत में दायर याचिकाओं के कारण संभव हो पाया।

सिंघवी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने जल्दबाजी में खामियों के साथ एसआईआर कार्यक्रम लागू किया। यदि राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों और सिविल सोसायटी ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो प्रक्रिया में मौजूद खामियां बनी रहतीं।

उन्होंने कहा कि एसआईआर की सबसे बड़ी समस्या अत्यंत कम समय सीमा है। बिहार में इसके लिए चार महीने और पश्चिम बंगाल में पांच महीने का समय दिया गया। यदि इसे आगामी चुनावों से अलग समय पर लागू किया जाता तो इतनी समस्याएं नहीं होतीं।

सिंघवी ने कहा कि चुनाव आयोग पहले लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाता है और बाद में निर्णय की प्रक्रिया चलती है। इस बीच चुनाव संपन्न हो जाते हैं। इस पहलू पर उच्चतम न्यायालय को चुनाव आयोग की जवाबदेही तय करनी चाहिए थी।

भीषण गर्मी में नितिन व राहुल के दौरों से उत्तराखंड में बढ़ेगा सियासी तापमान

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

देश के दूसरे हिस्सों की तरह उत्तराखंड में भी आसमान से आग बरस रही है। राज्य में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के दौरों से प्रदेश का राजनीतिक तापमान भी बढ़ने वाला है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास 28 मई से शुरू होगा। इसके बाद 4 व 5 जून को राहुल गांधी राज्य में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

उत्तराखंड में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में विभिन्न राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में लगी हैं। राज्य में दिग्गजों के दौरों से एक बात साबित होने जा रही है। देवभूमि का वर्ष 2027 का चुनावी संग्राम रोचक होने वाला है।

उत्तराखंड जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्य को भी भाजपा ने अपनी शीर्ष प्राथमिकता में रखा है। मोदी-शाह के दौर में यह बात कई बार साबित हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने 12 वर्ष के कार्यकाल में जितनी बार उत्तराखंड आए हैं, उतनी बार कोई प्रधानमंत्री नहीं आया है। इसके अलावा, भाजपा के शीर्ष नेता उत्तराखंड में लगातार प्रवास करते रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को अभी कार्यभार संभाले ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, लेकिन उन्होंने उत्तराखंड का कार्यक्रम लगाने में जरा सी भी देरी नहीं की है।

अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास के कार्यक्रम से भाजपा कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा है। भव्य स्वागत की तैयारी है, हालांकि मितव्ययिता का संदेश देने का दबाव भी पार्टी पर है। इसके बावजूद, भाजपा अपने इस बडे. कार्यक्रम के माध्यम से चुनाव को लेकर बड़ा संदेश देने की तैयारी में है। नितिन नवीन तीन दिन उत्तराखंड रहकर लगभग हर वर्ग को छूने का प्रयास करेंगे। पार्टी की तैयारियों की थाह लेंगे और कमजोर नब्ज दबाकर उसे दुरूस्त करने की कोशिश भी करेंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और गृह मंत्री से शिष्टाचार भेंट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक के दौरान राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद इस महीने मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद विजय की प्रधानमंत्री के साथ यह पहली औपचारिक मुलाकात थी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु जोसेफ विजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड यात्रा के दौरान अनाई मंगलम ताम्रपट्टिकाओं की बरामदगी और उन्हें भारत वापस लाने के प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। मुख्यमंत्री जोसेफ ने इस दौरान अपने राज्य से संबंधित विषयों का एक प्रतिवेदन भी प्रधानमंत्री मोदी को सौंपा।

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने इसके बाद कर्तव्य भवन में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। दिल्ली प्रवास के दौरान उनके कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात तय है।

प्रधानमंत्री को सौंपे अपने प्रतिवेदन में उन्होंने सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत में तमिलनाडु राज्य गीत तमिल थाई वट्ठू गाए

जाने की परंपरा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा इस वर्ष जनवरी में जारी निर्देश के बाद कुछ सरकारी कार्यक्रमों में पहले राष्ट्र गान गाया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने गृह मंत्रालय से स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया।

बैठक में रक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु में एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर तथा सेंटर फॉर एयरबोर्न सिस्टम्स (सीएबीएस) स्थापित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ पहले से बातचीत चल रही है।

कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदाडू बांध परियोजना का मुद्दा भी बैठक में उठा। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री द्वारा भूमि पूजन की घोषणा कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण और उच्चतम न्यायालय के फैसलों के विपरीत है, जिससे तमिलनाडु के किसानों में चिंता बढ़ी है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि जल शक्ति मंत्रालय और केंद्रीय जल आयोग को निर्देश दिए जाएं कि तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी की सहमति के बिना परियोजना को मंजूरी न दी जाए।

मुख्यमंत्री ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि अकेले वर्ष 2026 में अब तक 12 गिरफ्तारियां हुई हैं। अब तक 58 मछुआरे श्रीलंका में हिरासत में हैं तथा 266 नौकाएं जब्त की गई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को सौंपे प्रतिवेदन में इस मामले में हस्तक्षेप कर मछुआरों और उनकी नौकाओं की शीघ्र रिहाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य ढांचे पर 3000 करोड़ रुपये खर्च करेगी सरकार: सुखविन्द्र सिंह सुक्खू

मुख्यमंत्री ने कहा, मेडिकल कॉलेजों में भरे जाएंगे 230 पद

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के चिकित्सकों के लिए नई प्रोत्साहन योजना लाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत चिकित्सकों को 20 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 110 पद और पैरा मेडिकल स्टाफ के 120 पद भरेगी। इससे चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को आईजीएमसी शिमला में नए मातृ एवं शिशु अस्पताल के निर्माण के लिए संभावनाएं तलाशने तथा उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश भी दिए।

मेडिकल कॉलेजों में बढ़ेंगी पीजी सीटें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के चिकित्सा संस्थानों में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य जांच उपकरण और आधारभूत ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि सभी मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटों में वृद्धि की जा रही है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय टांडा में 57, श्री लाल बहादुर शास्त्री

राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंडी में 29, डॉ. यशवंत सिंह परमार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नाहन में 32, पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय चंबा में 33, डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर में 67 और इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय शिमला में 96 पीजी सीटें बढ़ाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पीजी सीटों में वृद्धि के बाद मेडिकल कॉलेजों के कामकाज में तेजी आएगी और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस वर्ष सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सों के रिक्त पद भर दिए जाएंगे और तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य ढांचे पर 3000 करोड़ रुपये खर्च करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में आधुनिक मशीनों तथा उपकरण खरीदने पर 3000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थानों में स्टाफ की कमी को दूर करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार सभी मेडिकल कॉलेजों का संचालन बेहतर ढंग से करने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले वर्षों में प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा और राज्य में हेल्थ टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

जयराम ने किया हिमाचल पंचायती राज चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत का दावा

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दावा किया है कि हिमाचल प्रदेश में आयोजित पंचायती राज चुनावों के प्रथम चरण में जनता ने कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में एकतरफा और प्रचंड जनादेश सुना दिया है। इस चुनाव के पहले ही चरण में प्रदेश की लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान प्रत्याशियों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है जिसने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में राष्ट्रवाद और विकास की एक नई लहर चल रही है और कांग्रेस का गांव-गांव से सफाया शुरू हो चुका है।

जयराम ने बुधवार को कहा कि सराज में भाजपा ने प्रथम चरण में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र की 28 पंचायतों में से 25 पर अपना परचम लहराया है। जबकि कांग्रेस को महज दो जगह पर ही संतोष करना पड़ा है। जयराम ठाकुर ने कहा कि कई बार प्राकृतिक आपदा का दंश झेल चुके सराज क्षेत्र को सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ मिलकर फिर से मजबूती के साथ खड़ा किया जाएगा।

उन्होंने प्रदेश की जनता को इस शानदार जनादेश के लिए धन्यवाद दिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस सरकार ने झूठ बोलकर और जनता को गुमराह करके सत्ता तो हथिया ली, लेकिन सत्ता में आने के बाद प्रदेश के विकास कार्यों पर पूरी तरह से पूर्ण विराम लगा दिया है।

जनता अब इस सच्चाई को अच्छी तरह समझ चुकी है कि यदि गांव और क्षेत्र का वास्तविक विकास करना है तो भाजपा के साथ ही आगे बढ़ना होगा। उन्होंने पूर्ण विश्वास जताया कि आने वाले समय में प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनना तय है। केंद्र सरकार के मजबूत सहयोग से हिमाचल में विकास का पहिया डबल इंजन की रफ्तार से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को पता था कि चुनावों में परिणाम कांग्रेस पार्टी के पक्ष में नहीं आने वाले हैं तो उन्होंने इन चुनावों को समय पर नहीं करवाया और आज छह माह का अतिरिक्त समय निकल चुका है। इस अवधि में जो विकास पंचायतों में होना चाहिए था वो कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री की हठधर्मिता के कारण रुका पड़ा है। केंद्र सरकार से लगातार मदद मिल रही है लेकिन इस सरकार ने उसे भी लोगों तक पहुंचाने में देरी की है इसके अतिरिक्त, एक अन्य महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी का हवाला देते हुए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि देश की शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि विशेष गहन समीक्षा एसआईआर कानून सम्मत, वैध और पूरी तरह संवैधानिक प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस बड़े फैसले के बाद कांग्रेस का तथाकथित संविधान विरोधी चेहरा देश और प्रदेश की जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो गया है, क्योंकि कांग्रेस अब तक देश की जनता को केवल वोट बैंक की ओछी राजनीति के लिए धोखा देती आ रही थी और घुसपैठियों के सहारे चुनावों में अनुचित फायदा उठाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन अब देश और प्रदेश में यह तुष्टिकरण और धोखे की राजनीति बिल्कुल नहीं चलेगी।

पंचायत चुनावों में 75 फीसदी जीत के भाजपा के दावे सिर्फ ख्याली पुलाव : विक्रमादित्य सिंह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों के पहले चरण के नतीजों के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल द्वारा पंचायत चुनावों में 75 फीसदी जीत का दावा किए जाने पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा के दावों को ख्याली पुलाव और बेबुनियाद बयानबाजी बताते हुए कहा कि पंचायत चुनावों की प्रकृति को समझे बिना राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है।

विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को कहा कि पंचायत चुनाव किसी राजनीतिक दल के चुनाव नहीं होते, यह स्थानीय स्तर पर व्यक्ति की पहचान, मेहनत और जनता के भरोसे पर आधारित होते हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या पंचायत चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों पर भाजपा या राजीव बिंदल का कोई ठप्पा लगा हुआ है।

उनका कहना था कि जो उम्मीदवार जीतकर आए हैं, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत कार्यशैली, स्थानीय जनसमर्थन और लोगों के विश्वास के दम पर जीत हासिल की है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि भाजपा बिना किसी ठोस आधार के बड़े-बड़े दावे कर रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के अभी दो चरण बाकी हैं और पूरी तस्वीर सामने आने के बाद ही वास्तविक स्थिति साफ होगी। ऐसे में पहले चरण के आधार पर राजनीतिक निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। विक्रमादित्य सिंह ने पंचायत चुनावों को विधानसभा या लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल बताए जाने पर भी आपत्ति जताई।

हमीरपुर पंचायत में 21 लाख का देवत प्लांट शुरू, जसरोटिया ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की ओर बड़ा कदम

कठुआ। जसरोटा से भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने पंचायत हमीरपुर में 21 लाख की लागत से निर्मित 15 केएलडी क्षमता वाले देवत (डिसेंट्रलाइज्ड वेस्टवाटर ट्रीटमेंट) प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्लांट घरेलू ग्रे-वॉटर (नहाने, कपड़े धोने आदि का पानी) को वैज्ञानिक तरीके से शुद्ध कर पुन उपयोग के योग्य बनाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देना जल प्रदूषण को कम करना और भूजल स्तर को बेहतर बनाना है। इस प्लांट से उपचारित पानी का उपयोग सिंचाई और अन्य गैर-पीने योग्य कार्यों में किया जा सकेगा जिससे ताजे पानी पर दबाव भी कम होगा। उद्घाटन के दौरान विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि इस तरह की योजनाएं ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस प्लांट के रखरखाव में सहयोग करें और जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि देवत सिस्टम न केवल स्वच्छता सुधारने में मदद करेगा बल्कि लोगों में जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा, जिससे गांवों में साफ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित होगा।

कसौली के जंगलों में भड़की आग, हेलीकॉप्टर से बरसाया पानी, सेना ने 15 घंटों बाद पाया काबू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पड़ रही प्रचंड गर्मी के बीच जंगल धधक रहे हैं। सोलन जिला के पर्यटन स्थल कसौली में जंगलों में लगी भीषण आग को काबू में करने के लिए सेना, वायुसेना और स्थानीय प्रशासन को करीब 15 घंटे तक लगातार संघर्ष करना पड़ा। घने जंगलों, पहाड़ी ढलानों और कठिन रास्तों के बीच चले इस बड़े अभियान के बाद आखिरकार गिल्बर्ट ट्रेल और अपर मॉल क्षेत्र में फैली आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया है। आग बुझाने के लिए जमीन से लेकर आसमान तक एक साथ अभियान चलाया गया। आग की लपटें चंडीगढ़ तक देखी गईं।

दरअसल, 26 मई की दोपहर करीब तीन बजे कसौली के पश्चिमी ढलानों वाले जंगलों में आग भड़क उठी। तेज हवाओं और सूखे जंगलों की वजह से आग तेजी से फैलने लगी। हालात को गंभीर होता देख भारतीय सेना की कसौली ब्रिगेड

तुरंत सक्रिय हुई और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। सेना ने स्थानीय प्रशासन, चंडीगढ़ प्रशासन और भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की। रातभर चले अभियान में सेना के जवान लगातार जंगलों में डटे रहे। दुर्गम इलाकों में पहुंचकर जवानों ने आग को आगे बढ़ने से रोकने के लिए फायरब्रेक तैयार किए और संवेदनशील हिस्सों को अलग करने का काम किया। दूसरी ओर भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने भी मोर्चा संभाला। हेलीकॉप्टरों ने चंडीगढ़ की सुखना झील से पानी भरकर कई बार उड़ान भरी और बम्बी बकेट तकनीक के जरिए जंगलों पर पानी गिराया। हवाई और जमीनी स्तर पर चलाए गए संयुक्त अभियान से गिल्बर्ट हिल और अपर मॉल जैसे प्रमुख प्रभावित क्षेत्रों में आग पर नियंत्रण पाया गया। सेना के अनुसार अभी भी कुछ दुर्गम हिस्सों में छोटे-छोटे हॉटस्पॉट मौजूद हैं, जिन्हें पूरी तरह बुझाने के लिए अभियान जारी है। जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं ताकि आग दोबारा न भड़क सके। राहत की बात यह रही कि इस पूरे अभियान के दौरान किसी भी नागरिक, राहतकर्मी या सैन्य कर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है। सभी जवान और उपकरण सुरक्षित बताए गए हैं। इस बीच पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर पुष्पेंद्र सिंह ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर चल रहे अभियान की समीक्षा की और कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे जवानों की सराहना की। उन्होंने आग बुझाने में जुटे सैन्य कर्मियों को मौके पर ही प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया।

नीट पेपर लीक पर फूटा युवाओं का गुस्सा-कठुआ में यूथ कांग्रेस का हल्ला बोल, शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

नीट पेपर लीक मामले को लेकर कठुआ में यूथ कांग्रेस इकाई ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए युवा कार्यकताओं ने शहर के शहीदी चौक पर एकत्रित होकर केंद्र सरकार के खिलाफ तीखी नारेबाजी की और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई।

प्रदर्शन से पहले यूथ कांग्रेस कार्यकताओं ने शहर में रोष मार्च निकाला। मार्च के दौरान युवाओं के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर शिक्षा प्रणाली बचाओ, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो और शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो जैसे नारे लिखे हुए थे। यूथ कांग्रेस के जिला प्रधान साहिल अंडोत्रा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में अभिषेक अंडोत्रा, प्रिंस अंडोत्रा, कार्तिक शर्मा, लव स्लाथिया, हरविंदर सिंह, नीरज चौधरी, विपुल गुप्ता, शोहेब अजय कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार पर सीधा हमला

बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा मजाक कर रही है। बार-बार पेपर लीक होना इस बात का प्रमाण है कि सरकार युवाओं के प्रति गंभीर नहीं है। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने कहा कि यह कोई पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इससे मेहनती छात्रों का मनोबल लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार नौकरी नहीं दे पा रही, कम से कम युवाओं को पढ़ने और ईमानदारी से परीक्षा देने का अवसर तो दे। प्रदर्शनकारियों ने विशेष रूप से उन गरीब छात्रों की पीड़ा को उजागर किया जो दूर-दराज क्षेत्रों से खर्च उठाकर परीक्षा देने आते हैं। उन्होंने कहा कि कई छात्र एक-दो दिन पहले पहुंचते हैं, किराया, रहने और खाने का खर्च उठाते हैं लेकिन पेपर लीक की खबर आने के बाद उनकी सारी मेहनत और पैसा बेकार हो जाता है। इसकी भरपाई कौन करेगा। युवाओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि ऐसे मंत्री को पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं जो छात्रों के भविष्य की रक्षा नहीं कर पा रहा। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकताओं ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर इसी तरह युवाओं के साथ अन्याय होता रहा तो भविष्य में बड़ा जनआंदोलन खड़ा हो सकता है जिसे संभालना सरकार के लिए मुश्किल होगा।

हिमाचल पंचायत चुनाव परिणाम बेटे ने जीती प्रधान की कुर्सी पिता को मिले सिर्फ पांच वोट

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के विधानसभा क्षेत्र नादौन की नई बनी टिल्लू पंचायत में प्रधानी का चुनाव इस बार पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया। वजह सिर्फ चुनाव नहीं, चुनावी मैदान में आमने-सामने उतरे पिता और पुत्र रहे। पंचायत चुनाव में पिता और उनके बेटे के बीच हुई सीधी टक्कर ने इस मुकाबले को पूरी तरह सियासी रंग दे दिया। नतीजे आए तो गांव से लेकर आसपास के क्षेत्रों तक हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, नादौन की टिल्लू पंचायत में प्रधान पद के लिए पांच प्रत्याशी मैदान में थे। लेकिन सबसे ज्यादा नजरें पिता संतोष कुमार और उनके बेटे अजय कुमार के मुकाबले पर टिकी थीं। दोनों के बीच लंबे समय से मनमुटाव की चर्चा पहले से ही गांव में होती रही है। ऊपर से दोनों अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़े हुए थे। पिता भाजपा समर्थक माने जाते हैं, जबकि बेटे अजय कांग्रेस विचारधारा से जुड़े बताए जाते हैं। देर रात चुनाव परिणाम सामने आए तो बेटे अजय कुमार ने एकतरफा जीत दर्ज कर सबको चौंका दिया। अजय को कुल 182 वोट मिले, जबकि उनके पिता संतोष कुमार को पूरे चुनाव में सिर्फ पांच वोट ही मिल सके। पिता-पुत्र के बीच वोटों का इतना बड़ा अंतर अब पूरे नादौन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पंचायत चुनाव के पहले चरण में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की बड़ी जीत : राजीव बिंदल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने दावा किया है कि हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने प्रचंड जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि 26 मई को प्रदेश की 1293 पंचायतों में हुए मतदान के बाद प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान उम्मीदवार विजयी रहे हैं। डॉ. बिंदल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पंचायत चुनाव के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली से निराश है। उन्होंने इसे कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता का जनमत संग्रह बताते हुए कहा कि गांव-गांव में कांग्रेस के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले महिलाओं, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों से बड़े वादे किए थे, लेकिन ढाई वर्षों में जनता को केवल

महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के वादे अधूरे हैं, जबकि किसान और बागवान अपनी उपज के उचित दाम के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं और आम जनता बिजली-पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की बढ़ती कीमतों से परेशान है। उन्होंने दावा किया कि पंचायत चुनाव में कई बड़े कांग्रेस नेताओं को अपने क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा है। डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश को सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में लगातार सहायता प्रदान कर रही है।

संक्षिप्त-समाचार

जम्मू कश्मीर में ईद-उल-अजहा की नमाज बड़े धार्मिक उत्साह और अकीदत के साथ अदा की गई

बारामुला। पूरे जम्मू कश्मीर सहित बारामूला के ईदगाह कदीम शेरी खास में बुधवार को ईद-उल-अजहा की नमाज बड़े धार्मिक उत्साह और अकीदत के साथ अदा की गई, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। ईदगाह कदीम को बारामूला का सबसे बड़ा ईदगाह माना जाता है, जहां हर साल बड़ी संख्या में लोग ईद की नमाज अदा करने पहुंचते हैं। इस अवसर पर मौलाना तारिक अहमद नापा साहिब ने ईद की नमाज अदा कराई और लोगों को ईद-उल-अजहा की अहमियत, कुबार्नी, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया। बारामूला में सबसे बड़ी ईद की तकरीब ईदगाह कदीम में हुई, जहां नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश की। बच्चों में भी ईद को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और वे खुशी से झूमते नजर आए। पूरा माहौल भाईचारे, मोहब्बत और खुशियों से सराबोर नजर आया। जम्मू के रेजिडेंसी रोड में आज सुबह ईद उल अधा की नमाज अदा की गई और सबको गले लगा कर ईद की मुबारक दी गई। कश्मीर भर की ईदगाहों और मस्जिदों में हजारों लोग ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करने के लिए जमा हुए। इस दौरान भक्ति, अपनापन और जश्न का माहौल था। कश्मीर भर में बड़ी-बड़ी जमातें देखने को मिलीं, जहां नमाजी सुबह-सवेरे से ही ईद की खास नमाज में शामिल होने के लिए इकट्ठा होने लगे थे। पूरे ज़िले में नमाज और ईद की मुबारकबाद की गूंज सुनाई दे रही थी ।

चमियाणा सुपर स्पैशलिटी अस्पताल में शुरू हुई डायलिसिस सुविधा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में किडनी मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। राजधानी शिमला के समीप चमियाणा स्थित अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पैशलिटी अस्पताल में अब डायलिसिस सुविधा शुरू हो गई है। बुधवार को यहां पहली डायलिसिस प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। इसके साथ ही अब किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को डायलिसिस करवाने के लिए आईजीएमसी शिमला के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। अब तक शिमला और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले ज्यादातर मरीजों को डायलिसिस के लिए आईजीएमसी जाना पड़ता था। वहां पहले से मरीजों का भारी दबाव रहने के कारण लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। कई मरीजों और उनके परिजनों को घंटों अस्पताल में इंतजार करना पड़ता था, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक परेशानी भी झेलनी पड़ती थी। लेकिन अब चमियाणा सुपर स्पैशलिटी अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से मरीजों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार डायलिसिस यूनिट को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और आने वाले समय में इसकी क्षमता को और बढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि इस सुविधा से सिर्फ शिमला ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों से आने वाले मरीजों को भी फायदा मिलेगा। अस्पताल में आधुनिक मशीनों के जरिए डायलिसिस की सुविधा दी जाएगी, जिससे मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा।

कठुआ में संदिग्ध बैंक लेनदेन का मामला-दंपति हिरासत में, 20 लाख रुपये की ट्रांजैक्शन की जांच जारी

कठुआ। जिला कठुआ में संदिग्ध बैंक लेनदेन के एक मामले में पुलिस ने एक दंपति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार निहालपुर क्षेत्र से राहुल खान और उनकी पत्नी सपना को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों के बैंक खातों में लगभग 20 लाख रुपये के लेनदेन की जांच की जा रही है।सूत्रों के मुताबिक यह दंपति मूल रूप से जम्मू के सुजवां क्षेत्र का रहने वाला है लेकिन पिछले कई वर्षों से कठुआ के विभिन्न इलाकों में किराये के मकानों में रह रहा था। राहुल खान पेशे से ड्राइवर बताया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देश पर एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। जांच के दौरान यह सामने आया है कि राहुल खान के नाम पर करीब 15 बैंक खाते संचालित हो रहे थे जिनमें संदिग्ध लेनदेन पाए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि खातों में आया पैसा विदेश से भेजा गया हो सकता है। साथ ही इस धन को हवाला नेटवर्क और नशे से जुड़े अवैध कारोबार से भी जोड़े जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इन पहलुओं की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दंपति के घर की तलाशी के दौरान विभिन्न बैंकों की पासबुक और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं जिन्हें पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।फिलहाल कठुआ पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और यह भी खंगाला जा रहा है कि कहीं यह मामला किसी बड़े नेटवर्क जैसे कि नार्को तस्करी से जुड़ा तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

एचआरटीसी के वोल्वो चालक से मारपीट मामले में चारों आरोपियों की जमानत खारिज

शिमला। दिल्ली से शिमला आ रही एचआरटीसी की वोल्वो बस के चालक के साथ मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार चारों आरोपियों को अदालत से राहत नहीं मिली है। अदालत ने पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर सभी आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद अब चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह मामला बीते रविवार सुबह का है। घटना कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर बालूगंज थाना क्षेत्र के कच्चीघाटी इलाके में हुई थी। पुलिस के मुताबिक एचआरटीसी की वोल्वो बस दिल्ली से शिमला आ रही थी। इसी दौरान बस चालक ने हरियाणा नंबर की एक स्कॉर्पियो गाड़ी को ओवरटेक किया। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर स्कॉर्पियो में सवार लोगों ने बस को बीच रास्ते में रुकवा लिया।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

चिट्टे-अफीम के धंधे पर बड़ा वार, शिमला पुलिस ने की नशा तस्करों की 1.13 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए शिमला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चिट्टा और अफीम तस्करी से जुड़े आरोपियों की करीब एक करोड़ 13 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की है। खास बात यह है कि पिछले दो वर्षों में इस तरह की संपत्ति जब्ती की कार्रवाई नहीं हुई थी, जबकि इस साल केवल तीन महीनों के भीतर ही पुलिस ने सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस का कहना है कि अब सिर्फ नशा बरामद करने तक कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, नशे के धंधे से बनाई गई संपत्ति पर भी सीधा वार किया जाएगा।

शिमला पुलिस के अनुसार इस साल अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 134 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें ज्यादातर मामले इंटरमीडिएट और कमर्शियल क्वांटिटी के हैं। इन मामलों में 286 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने सप्लाई नेटवर्क तोड़ने के लिए पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, भारत-नेपाल बॉर्डर और केरल तक

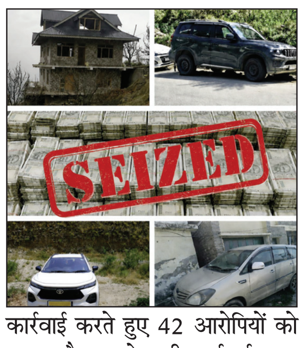

कार्रवाई करते हुए 42 आरोपियों को पकड़ा है। सबसे बड़ी कार्रवाई थाना कुमारसैन में दर्ज एक मामले में हुई। 10 अप्रैल को पुलिस ने नेपाल के तीन आरोपियों ऐन बहादुर, चक्र बहादुर और मोहन शाही को 9.028 किलोग्राम अफीम और 12 लाख रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया था। बाद में बैकवर्ड लिंकेज की जांच के दौरान कंडाघाट में लक्ष्मी टी स्टॉल चलाने वाली महिला आरोपी लक्ष्मी के ढाबे से भी 2.039 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से कंडाघाट, नारकंडा और आसपास के इलाकों में चुनिंदा ग्राहकों को अफीम सप्लाई कर रहे थे।

मौसम

हिमाचल में आज से 30 मई तक मौसम रहेगा खराब

अगले तीन दिन आंधी, ओलावृष्टि और बिजली गिरने का अलर्ट

गर्मी से मिलेगी राहत लेकिन आंधी और आसमानी बिजली का खतरा बढ़ा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

नौतपा की भीषण गर्मी से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश को अब अगले कुछ दिनों में राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने से प्रदेश के मौसम में बड़ा बदलाव आने वाला है। 28 से 30 मई के बीच राज्य के कई हिस्सों में बारिश, तेज आंधी, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है।

कुछ जिलों में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। बुधवार को भी प्रदेश में गर्मी का

असर साफ देखने को मिला। निचले इलाकों ऊना से लेकर हिल्स स्टेशन शिमला तक तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। कई जगह लू जैसे हालात बने रहे। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर आवाजाही कम रही। दिन के साथ-साथ अब रातें भी गर्म होने लगी हैं, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार 28 मई को ऊना, बिलासपुर और सोलन में लू चलने के साथ आंधी और बिजली चमकने का येलो अलर्ट रहेगा। वहीं चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला में कहीं-कहीं ओलावृष्टि और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का ओरेंज अलर्ट जबकि हमीरपुर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 29 मई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चम्बा और सोलन में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है, जबकि कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर में ओलावृष्टि, आंधी और बिजली गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान पेड़ों और कमजोर ढांचों से दूर रहने को कहा है।30 मई को भी चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में गरज-चमक और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। हालांकि 31 मई और 1 जून को मैदानी इलाकों में मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है, जबकि मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश और बादल बने रह सकते हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार को न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ऊपर दर्ज किए गए। सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान हमीरपुर जिला के नेरी में 23.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इसके बाद बिलासपुर, पांवटा साहिब और देहरा गोपीपुर में 23 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 21.5 डिग्री, नाहन में 20.5 डिग्री, शिमला और ऊना में 19 डिग्री, कांगड़ा में 18.9 डिग्री, धर्मशाला में 18.8 डिग्री, मंडी में 18.2 डिग्री, सुंदरनगर और पालमपुर में 17 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन दिनों में बारिश और तेज हवाओं के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी से काफी राहत मिल सकती है।

गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए अभियान चलाकर किया जाए रजिस्ट्रेशन: नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत श्रम विभाग के अगले 5 वर्षों के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए नई योजनाएं तैयार कर रही हैं। इसके लिए प्रदेश में कार्यरत सभी गिग वर्कर्स का विशेष अभियान चलाकर रजिस्ट्रेशन किया जाए और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह निर्देश बुधवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन 2047 के अंतर्गत श्रम विभाग के अगले 5 वर्ष के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने असंगठित क्षेत्र के कामगारों के कल्याण तथा वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के संबंध में भी अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा व अन्य लाभ देने की घोषणा की थी। इसी प्रकार केंद्र सरकार भी गिग वर्कर्स के कल्याण की योजना बना रही है। पात्र व्यक्तियों तक समुचित लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक है कि सभी गिग वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन किया जाए, इस कार्य को जल्द पूरा करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। गिग वर्कर्स की नियुक्ति वाले सभी प्लेटफॉर्म से भी संपर्क किया जाए। गिग वर्कर्स को अन्य योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए विशेष शिविर लगाकर उनकी जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। श्रम विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन ने बताया कि इस समय प्रदेश में 21777 गिग वर्कर्स के रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं और बचे हुए गिग वर्कर्स के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए विभाग द्वारा संबंधित प्लेटफार्म पर कर्मचारियों को भेजकर जानकारी जुटाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग गिग वर्कर्स के रजिस्ट्रेशन तथा अन्य कामगारों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले कार्यों का पूरा कैलेंडर बनाकर दें।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिकों के लिए 30 से अधिक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं को श्रमिकों तक प्रभावशाली ढंग से पहुंचाने के लिए श्रम विभाग का संरचनात्मक पुनर्गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विभाग को अगले 5 साल तक प्रतिवर्ष किए जाने वाले कार्यों तथा विजन का पूरा ब्यौरा टाइमलाइन सहित बनाकर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके लिए सभी विभागों का संयुक्त सहयोग आवश्यक है। कृषि व घरेलू क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन नहीं हो पाता है। कामकाजी महिलाओं को कार्य का उचित माहौल देने के लिए उनके लिए हर जिले में वर्किंग वुमैन होस्टल बनाए जाएं और उनके छोटे बच्चों के लिए क्रैच खोले जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रीन जॉब में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। सरकार का लक्ष्य अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को राष्ट्रीय औसत से ऊपर लेकर जाना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, श्रम विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी व स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल यादव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

अंगदान करने वाले परिवारों का कर्ज कभी नहीं उतार पाएगा समाज: आरती सिंह राव

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान और आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने बुधवार को चंडीगढ़ में पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पीजीआईएमएस रोहतक के चिकित्सा अधीक्षक, सोटो हरियाणा और अंग प्रत्यारोपण टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, सोटो हरियाणा की पूरी टीम और ट्रांसप्लांट सर्जनों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि इन्हें अथक प्रयासों से हरियाणा आज अंगदान के क्षेत्र में देश का आदर्श राज्य बन रहा है। आरती सिंह राव ने पीजीआईएमएस रोहतक के कुलपति डॉ एच के अग्रवाल,समर्पित डॉक्टरों, सर्जनों, सोटो हरियाणा की पुरी टीम,नर्सिंग स्टाफ, और पूरी मेडिकल टीम को ब्रेन-डेड दाताओं के अंग प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक करने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह नेक कार्य कई लोगों के जीवन को बचा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने विशेष रूप से उस केस का जिक्र किया जिसमें पीजीआईएमएस रोहतक की टीम ने आर्मी हेलीकॉप्टर से किडनी को चंडीमंदिर स्थित आर्मी कमांड हॉस्पिटल पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि समय पर ट्रांसप्लांट होने से एक जवान की जान बच गई। उन्होंने कहा कि मेडिकल टीम, प्रशासन और सशस्त्र बलों के बीच यह अनुकरणीय तालमेल मानवता की सेवा की भावना को दिखाता है। यह सिर्फ अंगदान नहीं, राष्ट्र सेवा है। आरती सिंह राव ने कहा कि डॉ अग्रवाल की टीम ने पीजीआईएमएस ने पिछले दो महीनों में 5 सफल अंगदान करवाकर नया कीर्तिमान बनाया है। सोटो हरियाणा की काउंसलिंग टीम के शब्दों में वो ताकत है जो दुख में डूबे ब्रेन -डेड व्यक्ति के परिवार को भी अंगदान करने के लिए मना लेती है। उन्होंने कहा कि मौत अटल है, पर अंगदान से हम मौत को भी मात दे सकते हैं। अंगदान से बड़ा पुण्य कोई नहीं। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने अंगदान करने वाले सभी परिवारों को नमन किया। उन्होंने कहा कि जिस परिवार ने अपने कलेजे के टुकड़े को खोने के बाद भी दूसरों की भलाई के बारे में सोचा, वो परिवार नहीं, देवता समान है। अंगदान करने वाले सभी परिवारों का समाज सात जन्मों में भी कर्ज नहीं उतार पाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम में भी अंगदान को महादान कहा है। उनकी प्रेरणा से हरियाणा में जागरूकता तेजी से बढ़ी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत में हर साल लाखो लोग अंगों के इंतजार में दम तोड़ देते हैं। ब्रेन डेड के परिवार की एक ह्यहांह्न 8 परिवारों के घर का चिराग दोबारा से जला सकती है।

युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

कुमारी सैलजा ने सीबीएसई परीक्षा प्रणाली और युवाओं की बदहाली पर केंद्र सरकार को घेरा सिरसा की सांसद, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूसी) की सदस्य, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने सीबीएसई परीक्षा व्यवस्था में सामने आए गंभीर मामलों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य आज पूरी तरह असुरक्षित हो चुका है। पहले पेपर लीक, फिर भर्ती घोटाले और अब उत्तर पुस्तिकाओं की जांच पर सवाल उठ रहे हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 4 लाख से अधिक छात्रों ने 11 लाख से ज्यादा स्कैन कॉपियां मांगी हैं। छात्रों ने आरोप लगाए हैं कि धुंधली कॉपियां जांची गईं, कई पन्ने गायब मिले और कुछ मामलों में दूसरी कॉपियां तक अपलोड हो गईं। इससे साफ जाहिर होता है कि परीक्षा प्रणाली में गंभीर लापरवाही हो रही है और छात्र अपने ही भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। सांसद ने कहा कि आज देश का युवा लगातार मानसिक दबाव में जी रहा है। एक तरफ बेरोजगारी चरम पर है, दूसरी तरफ सरकार की नीतियों और अव्यवस्थाओं के कारण युवाओं को हर कदम पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पढ़ाई करने वाला छात्र नौकरी के लिए धक्के खा रहा है, लेकिन सरकार मस्त होकर केवल बड़े-बड़े भाषण देने में लगी हुई है। युवाओं को जितनी परेशानियों का सामना आज करना पड़ रहा है, वैसा माहौल पहले कभी नहीं देखा गया।

सुपवा के छात्रों ने गांव की चौपाल को बनाया आर्ट गैलरी

सिटी दर्पण संवाददाता

रोहतक

दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्रों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए गांव रिठाल फौगाट की चौपाल को आर्ट गैलरी के रूप में तब्दील कर दिया। यह सुपवा के मास्टर इन विजुअल आर्ट्स के फाइनल ईयर के छात्रों की मेहनत रही, जो उन्होंने बातचीत, स्मृति व समुदाय से कला की मुलाकात कराई।

दरअसल, छह छात्रों हर्षुल शंकर, ज्योति, किरण सिंह, निखिल फौगाट, रश्मि, सोनी ने मिलकर गिल्ड कलेक्टिव शीर्षक के तहत गांव की चौपाल को ही आर्ट गैलरी का रूप दिया है। आर्ट गैलरी की शुरूआत मंगलवार शाम को हुई, जो तीन दिन तक जनता के लिए ओपन रहेगी। इसमें तीन दिन तक अलग-अलग आर्टिस्ट की टॉक रहेगी, लोग छात्रों द्वारा प्रदर्शित कला को निशुल्क देख सकेंगे। इसके साथ ही आर्टिस्ट्स के साथ इंटरेक्शन सेशन रहेगा, जबकि शाम के समय अलग-अलग फिल्मों की स्क्रीनिंग रहेगी। पहले दिन अमन पूनिया निर्देशित फिल्म चूल्हा न्योंदा की स्क्रीनिंग की गई। आर्ट गैलरी में छात्रों ने अपनी ड्राइंग, पेंटिंग, फोटोग्राफी, इंस्टालेशन, प्रिंट, वीडियो, स्कल्पचर आदि आर्ट का प्रदर्शन किया है।

सुपवा की विजुअल आर्ट्स फैकेल्टी के एफसी विनय कुमार के अनुसार गांव की पारंपरिक चौपाल को संवाद, कहानी सुनाने व सामूहिक मिलन का स्थान माना जाता है। उसी से प्रेरित होकर छात्रों ने यह प्रदर्शनी चौपाल में लगाई है। इसका थीम भी यही रखा है। यह पहला मौका है, जब आर्ट गैलरी बनाने के लिए किसी शहर की बजाए गांव का चयन किया गया है। अन्यथा, अधिकतर कलाकार आर्ट एग्जीबिशन के लिए बड़े शहरों का ही चयन करते हैं। उन्होंने बताया कि छात्रों की आर्ट गैलरी जीवंत सांस्कृतिक साझा स्थान में बदली हुई नजर आई। विजुअल आर्ट्स, परफॉर्मेंस आर्ट, फिल्म स्क्रीनिंग, कलाकार वार्ता, कविता पाठ व सामूहिक समुदाय इंटरेक्शन के माध्यम से बनी आर्ट गैलरी ग्रामीण पहचान, समकालीन रचनात्मकता व साझा सार्वजनिक स्थानों के बीच बदलते संबंध से परिचय कराती नजर आती है।

इसमें छात्रों ने अपनी पढ़ाई के दौरान सीखी विभिन्न कलाओं को ग्रामीणों के अवलोकन के लिए प्रदर्शित किया है। इसके क्यूरेटर शरद व विनय केडी हैं।

डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि विजुअल आर्ट्स के छात्रों का प्रयास सराहनीय है। शहर की बजाए गांव की चौपाल को आर्ट गैलरी का रूप देने से पता चलता है कि छात्र समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहते हैं। ग्रामीणों के लिए अपनी कला का प्रदर्शन करना नेक कार्य है। भविष्य में ये छात्र यूनिवर्सिटी व प्रदेश का नाम रोशन करेंगे, यह उम्मीद है।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री ने श्री अमृतेश्वर महोत्सव एवं भजन संध्या में की शिरकत

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराएं समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं। आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारे, सेवा और सकारात्मकता की भावना मजबूत होती है। मुख्यमंत्री मंगलवार देर सायं श्री अमृतेश्वर महोत्सव एवं भजन संध्या कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत-महात्माओं का आशीर्वाद समाज को सही दिशा प्रदान करता है और युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहन दे रही है। भजन संध्या कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना एवं गौसेवा कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। स्वामी सम्पूर्णानंद ब्रह्मचारी द्वारा आयोजित भजन संध्या में प्रसिद्ध गायक बी प्राक समेत कई कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सरोबार कर दिया । इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

किसानों को 50 फीसदी अनुदान पर दिए जाएंगे विभिन्न कृषि यंत्र: डॉ. आदित्य प्रताप डबास

कुरुक्षेत्र। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप कृषि निदेशक कुरुक्षेत्र डॉ. आदित्य प्रताप डबास ने कहा कि विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के दौरान व्यक्तिगत किसानों के लिए आरकेवीवाई स्कीम की फसल अवशेष प्रबंधन घटक के तहत विभिन्न कृषि यंत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। इन कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। किसान को अनुदान प्राप्त करने के लिए 15 जूनतक विभागीय पोर्टल पर आवेदन करना होगा। उन्होंने कहा कि कि इस योजना के तहत स्ट्रा-बेलर, स्ट्रा-रेक, एसएमएस, हैप्पी सीडर या स्मार्ट सीडर, स्ट्रा-चोपर या मल्वर, सर्व मास्टर या रोटरी स्लेशर, रिर्वसीब्ल एमबी प्लो, जीरो ड्रिल, स्पैटियल जीरो ड्रिल, सुपर सीडर, सरफेस सीडर, ट्रैक्टर माउंटिड लोडर (बिना ट्रैक्टर), ट्रैक्टर चालित टेंडर मशीन, ट्रैक्टर माउन्डिट कॉप-रीपर या स्वचालित रीपर बाइंडर जैसे कृषि यंत्र शामिल हैं। किसान विभागीय पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एग्री हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

केयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बुधवार को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर केयू परिसर स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल, खेल निदेशक प्रो. डी.एस.राणा, प्रो. जसबीर ढांडा, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, प्रो. परमेश कुमार, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. चेतन शर्मा, डॉ. हरविन्द्र सिंह लोंगोवाल, डॉ. निधि माथुर, सहित अधिकारी एवं पुस्तकालय कर्मचारी उपस्थित थे।

पक्षियों की सेवा मानवता और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी : डॉ. अंकेश्वर प्रकाश

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

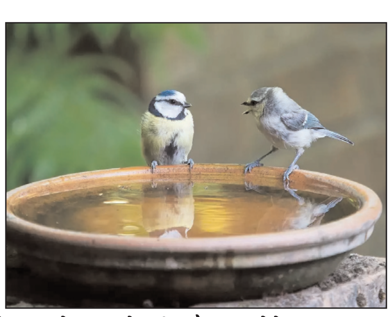

पद्मिनी एकादशी पर परीक्षा शाखा-3 ने पक्षियों के लिए रखे पानी के कसोरे व दाने

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में परीक्षा शाखा-3 द्वारा पद्मिनी एकादशी के पावन अवसर पर परीक्षा शाखा के आसपास विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के कसोरे एवं दाने की व्यवस्था की गई। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण तथा जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में जीवों की सेवा को अत्यंत पुण्य का कार्य माना गया है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों को भोजन और पानी उपलब्ध कराना मानवता एवं प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है।

डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में भी पक्षियों के लिए पानी और दाने की व्यवस्था करने की अपील की। परीक्षा शाखा के उपकुलसचिव डॉ. जितेन्द्र जांगडा ने कहा कि पद्मिनी एकादशी जैसे धार्मिक अवसर हमें सेवा, करुणा और प्रकृति संरक्षण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी में पक्षियों के सामने पानी और भोजन का संकट उत्पन्न हो जाता है, ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर उनकी सहायता करनी चाहिए।

इस अवसर पर डॉ. जीत सिंह, शिव कुमार, शक्ति सिंह, बीरबल सिंह, सुमन शर्मा, चत्तर सिंह, उषा कालड़ा, रीना, महेंद्र सिंह, शशि, कृष्ण गोपाल, संजय, अर्जुन सचिन, सपना, बृजेश, अन्नू सैनी, शिवराज शर्मा, सूरजभान सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

ड्रोन सर्वे के आधार पर होगा शिकोहपुर भूमि मामले का समाधान : राव नरबीर सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगर निगम मानेसर के गांव शिकोहपुर में अनुसूचित जाति के लोगों के लिए चिन्हित लगभग सात एकड़ भूमि का ड्रोन सर्वे करवाकर 15 जून तक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

यह भूमि खसरा नंबर 2345 में स्थित है, जिसे ग्राम पंचायत द्वारा अनुसूचित जाति कॉलोनी निर्माण हेतु चिन्हित किया गया था। राव नरबीर सिंह आज इस मुद्दे पर बुलाई गई शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उपायुक्त गुरुग्राम तथा आयुक्त नगर निगम मानेसर ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

बैठक में उपायुक्त गुरुग्राम ने मंत्री को अवगत कराया कि वर्ष 1991 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के कृषि विकास केंद्र से संबंधित यह भूमि अनुसूचित जाति के 13 लोगों को आवंटित की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से लोगों का बसासत कब्जा इस भूमि पर बना हुआ है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि हिसार के चार गांवों से जुड़े इसी प्रकार के भूमि मामले में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नीति को आधार बनाते हुए वर्ष 2004 के कलेक्टर रेट के अनुसार लोगों को विभिन्न श्रेणियों के प्लॉट आवंटित किए जाएं।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भूमि पर कब से कितने लोग काबिज हैं तथा कहीं कोई व्यक्ति गैरकानूनी तरीके से कब्जा तो नहीं किए हुए है। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में यह भूमि पंचायत के अधीन नहीं है, इसलिए इस संबंध में निर्णय हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 के तहत लिया जाएगा। बैठक में नगरपालिका महेंद्रगढ़ के विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई।

हरियाणा में गैर-सरकारी अध्यक्षों, उपाध्यक्षों के लिए एकीकृत सेवा शर्तें

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों, वैधानिक आयोगों और संवैधानिक निकायों को छोड़कर, अन्य निकायों में गैर-सरकारी अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, वाइस चेयरपर्सन एवं सदस्यों की नियुक्तियों के लिए एकीकृत मानक सेवा शर्तें जारी की हैं। इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य नियुक्तियों में एकरूपता, पारदर्शिता और प्रशासनिक स्पष्टता सुनिश्चित करना है। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार वर्ष 2017 में जारी मूल निर्देशों तथा वर्ष 2019 और 2021 में किए गए विभिन्न संशोधनों को अब एक ही ढांचे में शामिल किया गया है, ताकि सभी विभाग और निकाय निर्धारित मानकों को समान रूप से लागू कर सकें तथा किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति से बचा जा सके।

नई व्यवस्था के तहत अध्यक्ष/चेयरपर्सन का कार्यकाल प्रारंभिक रूप से एक वर्ष निर्धारित किया गया है, जिसे आवश्यकता अनुसार बढ़ाया या घटाया सकेगा। अध्यक्ष/चेयरपर्सन को अधिकतम 75 हजार रुपये प्रतिमाह तथा उपाध्यक्ष/वाइस-चेयरपर्सन को अधिकतम 45 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा सकेगा। नियमित जिम्मेदारी निभाने वाले सदस्यों को 30 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा। नए निर्देशों में आवास सुविधा, टेलीफोन, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता, चिकित्सा सुविधा तथा स्टाफ कार जैसी सुविधाओं का भी प्रावधान किया गया है। अध्यक्षों को अधिकतम 50 हजार रुपये प्रतिमाह तथा उपाध्यक्षों को 45 हजार रुपये प्रतिमाह तक मकान किराया भत्ता दिया जा सकेगा।

नीति के तहत अध्यक्षों/उपाध्यक्षों को ग्रुप-ए अधिकारियों के समकक्ष टेलीफोन तथा मोबाइल फोन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता और चिकित्सा सुविधाएं भी हरियाणा सिविल सेवा नियमों के अंतर्गत ग्रुप-ए अधिकारियों के समान प्रदान की जाएंगी।

फील्ड में रहकर आमजन की समस्याएं तुरंत हल करे अधिकारी: रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने गर्मी के इस मौसम में पेयजल की सुचारु सप्लाई को लेकर जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को पूरी तरह अलर्ट मोड पर कर दिया है। उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण सीजन में आमजन को किसी भी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े। इसके लिए अधिकारी फील्ड में रहकर कार्य करें, शिकायतों का त्वरित समाधान करें तथा जलापूर्ति व्यवस्था को पूरी क्षमता के साथ संचालित रखें। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि गर्मी का अगला महीना भी विभाग के लिए सबसे महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण होता हैं। ऐसे समय में विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी और कर्मचारी मुख्यालय पर उपलब्ध रहें तथा बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें। साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी स्थिति में पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने बुधवार को विभागीय के अधिकारियों के साथ पेयजल व्यवस्था, जल संरक्षण, जल निकासी तथा फ्लड सीजन की तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की है। बैठक में प्रदेश के सभी सर्कलों की पेयजल व्यवस्था की अलग-अलग समीक्षा की गई तथा उन क्षेत्रों की विशेष रूप से चर्चा की गई जहां से पेयजल संकट की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही हैं। इस दौरान मुख्य अभियंता श्री देवेंद्र दाहिमा सहित विभिन्न सर्कलों के अभियंता उपस्थित रहे, जबकि सभी सर्कलों के अंतर्गत आने वाले अधीक्षण अभियंता (एसई) और उपमंडल अभियंता (एसडीओ) वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े। मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने बैठक के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ, सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सरकार ह्लहर घर नल में नल और उसमें स्वच्छ जलह्व के तहत कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य केवल पानी पहुंचाना ही नहीं, बल्कि हर परिवार तक गुणवत्तापूर्ण और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना है। विभागीय अधिकारी इस उद्देश्य को मिशन मोड में पूरा करें।

बैठक के दौरान मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने पेयजल व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए 2 एसडीओ और 2 जेई को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करने के निर्देश दिए। इनमें चरखी दादरी तथा हांसी क्षेत्र के अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आदमपुर के 2 अधिकारियों को चार्जशीट करने के भी निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि आमजन को यदि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान होना पड़ता है तो यह बेहद गंभीर विषय है और ऐसी लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी पेयजल संकट, जलघर की बदहाली, पाइपलाइन लीकेज या पानी की सप्लाई में बाधा जैसी समस्याएं सामने आएंगी, वहां संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। हांसी के चानौत गांव में पेयजल समस्या को लेकर चल रहे धरने और अधिकारियों से मिली रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए मंत्री ने संबंधित एसडीओ और जेई को सस्पेंड करने के निर्देश दिए। जांच में सामने आया कि वहां के जिम्मेवार अधिकारियों द्वारा समस्या समाधान में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई, जिसके कारण लोगों को लंबे समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा।

बैठक में हिसार जिला के आदमपुर जलघर की बदहाल स्थिति तथा वहां पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्याओं पर भी संज्ञान लिया गया। मंत्री ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एसडीओ और जेई को चार्जशीट कर जवाब तलब करने के निर्देश दिए।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने एक्सईएन, एसडीओ और जेई स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का दौरा करें तथा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की स्वयं निगरानी करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कार्यालयों में बैठकर कार्य न करें बल्कि गांवों और शहरों में जाकर वास्तविक स्थिति का जायजा लें।

संपादकीय

सार्थक पीडीएस: सार्वजनिक वितरण प्रणाली में नई उम्मीद की किरण

भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक रही है। देश की विशाल जनसंख्या, विविध भौगोलिक परिस्थितियाँ और आर्थिक असमानताएँ इस कार्य को अत्यंत जटिल बनाती हैं। इसी संदर्भ में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा हाल ही में लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 27 मई 2026 को 'सार्थक पीडीएस' योजना को मंजूरी दी, जिसके लिए 25,530 करोड़ रुपये का विशाल बजट निर्धारित किया गया है। 'सार्थक' नाम वास्तव में एक संक्षिप्त रूप है – 'Scheme for Assistance in Ration Transport and Handling – Income with Automation in PDS'। यह नाम केवल एक शब्द नहीं, बल्कि सरकार की मंशा का प्रतीक भी है। इस योजना के माध्यम से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को न केवल आधुनिक बनाया जाएगा, बल्कि उसे तकनीक के पंख देकर आम नागरिकों के जीवन से सीधे जोड़ा जाएगा। यह योजना 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक, पाँच वर्षों की अवधि के लिए लागू की जाएगी। भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा व्यवस्थाओं में से एक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत लगभग पाँच लाख उचित मूल्य की दुकानों के नेटवर्क के जरिये 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रत्येक माह रियायती अनाज उपलब्ध कराया जाता है। परंतु इस विशाल तंत्र में वर्षों से भ्रष्टाचार, अनाज की बबार्दी, परिवहन में रिसाव और लाभार्थियों की पहचान में गड़बड़ी जैसी गंभीर समस्याएँ बनी हुई हैं। इन्हीं खामियों को दूर करने के लिए सार्थक पीडीएस योजना एक व्यापक और दूरदर्शी प्रयास है। इस योजना का मूल उद्देश्य राशन वितरण को आधुनिक बनाना, रिसाव घटाना, पारदर्शिता बढ़ाना और देशभर में खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस योजना के तहत तकनीक-चालित सुधारों का सहारा लेकर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत राशन वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। इस डिजिटल मंच पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और ब्लॉकचेन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग निगरानी, शिकायत निवारण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। सार्थक पीडीएस की सबसे उल्लेखनीय विशेषता इसके तीन एआई-आधारित मॉड्यूल हैं – निर्मल, आशा और सक्षम। निर्मल मंच एआई-संचालित वास्तविक समय के लाभार्थी रजिस्ट्री के रूप में कार्य करेगा और मंत्रालयों के बीच लाइव एकीकरण तथा योजनाओं के अभिसरण की सुविधा देगा। दूसरे शब्दों में, इससे यह सुनिश्चित होगा कि राशन कार्ड डेटा हमेशा अद्यतन रहे और कोई भी फर्जी लाभार्थी व्यवस्था में न रहे। आशा मॉड्यूल एक बहुभाषी एआई शिकायत और नागरिक सहभागिता मंच के रूप में डिजाइन किया गया है, जो फोन कॉल, व्हाट्सएप, आईवीआरएस और चैटबॉट के माध्यम से नागरिकों की भाषा में काम करेगा। यह उन करोड़ों ग्रामीण और अर्ध-शहरी नागरिकों के लिए वरदान साबित होगा, जो अब तक भाषायी बाधाओं और तकनीकी जटिलताओं के कारण अपनी शिकायतें दर्ज नहीं कर पाते थे। लॉजिस्टिक्स सुधार भी इस योजना का एक अहम हिस्सा है। यह योजना खाद्यान्न की परिवहन दूरी को 15 से 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखती है, जिससे अनाज की बचत होगी और स्थानीय खरीद को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इस कार्यक्रम से प्रतिवर्ष लगभग 280 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है और कार्बन उत्सर्जन में 35 प्रतिशत की कमी आएगी। यह पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक सकारात्मक कदम है। आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता और निगरानी बढ़ाने के लिए खाद्यान्न की बोरियों पर क्यूआर-कोडेड टैग और वाहनों की लाइव लोकेशन ट्रैकिंग प्रणाली भी लागू की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि अनाज गोदाम से उचित मूल्य की दुकान तक बिना किसी गड़बड़ी के पहुँचे। देशभर की उचित मूल्य दुकानों को आधुनिक बनाया जाएगा और बुनियादी ढाँचे को उन्नत करते हुए स्मार्ट प्रणालियाँ स्थापित की जाएँगी, ताकि बबार्दी और भ्रष्टाचार को कम किया जा सके। केंद्रीय मंत्रिमंडलीय आर्थिक समिति ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को खाद्यान्न की राज्य के भीतर ढुलाई और हैंडलिंग के लिए केंद्रीय सहायता के मानदंडों में भी संशोधन को मंजूरी दी है, साथ ही उचित मूल्य दुकान डीलरों के मार्जिन में भी बदलाव किए गए हैं। यह राज्य सरकारों को अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में एक स्वागतयोग्य कदम है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सार्थक पीडीएस योजना 16वें वित्त आयोग के पुरस्कार चक्र के अंतर्गत एक 'अम्ब्रेला स्कीम' के रूप में स्वीकृत की गई है। इसका अर्थ है कि यह योजना केवल एक अल्पकालिक पहल नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक संरचनात्मक बदलाव का हिस्सा है। इसके अंतर्गत राज्य स्तरीय कमांड एवं नियंत्रण केंद्र और पीडीएस संचालन के लिए एकीकृत डेटाबेस भी स्थापित किए जाएँगे, जिससे केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर समन्वित तरीके से काम कर सकेंगी। सार्थक पीडीएस की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसका क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर कितनी कुशलता और ईमानदारी से होता है। भारत में सरकारी योजनाओं की सबसे बड़ी कमजोरी उनका अपर्याप्त क्रियान्वयन रही है। तकनीक कितनी भी उन्नत हो, जब तक अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक तक उसका लाभ नहीं पहुँचता, तब तक योजना अधूरी ही मानी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या और स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। बहरहाल, यह स्वीकार करना होगा कि सरकार की दिशा सही है। जब देश डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है, तो खाद्य वितरण प्रणाली का भी डिजिटलीकरण अनिवार्य था। सार्थक पीडीएस उस सपने को साकार करने की कोशिश है, जिसमें हर गरीब परिवार को उसका अधिकार बिना किसी बिचौलिए, बिना किसी भेदभाव और बिना किसी रिसाव के मिले। यदि यह योजना अपने उद्देश्यों में सफल रहती है, तो यह न केवल करोड़ों परिवारों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि सुशासन का एक आदर्श उदाहरण भी बनेगी।

न्यू इंडिया में मोदी विजन : 12 वर्षों ने बदल दी भारत की दिशा और दशा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में किसी भी सरकार का मूल्यांकन उन निर्णयों से होता है जो आने वाले समय की दिशा तय करते हैं। पिछले 12 वर्षों में भारत ने जिस परिवर्तन को महसूस किया है, उसे सिर्फ राजनीतिक बदलाव कहना पर्याप्त नहीं होगा। वर्ष 2014 से 2026 तक का दौर देश के लिए एक ऐसे परिवर्तनकारी कालखंड के रूप में उभरा है, जिसमें शासन, नीति-निर्माण, अर्थव्यवस्था, तकनीक, सामाजिक सरोकार और वैश्विक कूटनीति यानी कि हर स्तर पर भारत ने नई पहचान बनाई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कई ऐसे साहसिक फैसले लिए, जिन्होंने भारत को 'उभरती हुई शक्ति' से आगे बढ़ाकर 'वैश्विक नेतृत्वकर्ता' के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वस्तुतः इन 12 वर्षों की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि सरकार ने घाषित योजनाओं को बड़े स्तर पर जमीन तक पहुंचाने का प्रयास किया। यही कारण है कि आज मोदी सरकार के इस कार्यकाल को कई लोग 'न्यू इंडिया' के निर्माण का निर्णायक दौर मानते हैं।

साल 2016 में लिया गया नोटबंदी का फैसला इस दौर के सबसे चर्चित और साहसिक निर्णयों में शामिल रहा। सरकार ने इसे काले धन, नकली नोटों और आतंक वित्त पोषण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया। इस फैसले ने भारतीय अर्थव्यवस्था को डिजिटल लेन-देन की दिशा में तेज गति दी। यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर दिया। आज कई देश भारत के डिजिटल पेमेंट मॉडल को अपनाने की इच्छा जता रहे हैं। डिजिटल इंडिया अभियान ने गांव से लेकर महानगर तक तकनीक को आम आदमी की जिंदगी का हिस्सा बना दिया।

इसके बाद वर्ष 2017 में लागू हुआ जीएसटी भारतीय आर्थिक सुधारों का बड़ा अध्याय साबित हुआ। 'एक राष्ट्र, एक कर' की अवधारणा ने पूरे देश को एकीकृत कर बाजार में बदल दिया। पहले जहां अलग-अलग राज्यों और केंद्र के अनेक कर व्यापारियों के लिए जटिलता पैदा करते थे, वहीं जीएसटी ने कर व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया। आज लगातार बढ़ता जीएसटी संग्रह इस बात का संकेत माना जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था औपचारिक और मजबूत हो रही है।

मोदी सरकार के कार्यकाल का सबसे बड़ा राजनीतिक और संवैधानिक फैसला जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को माना जाता है। दशकों से लंबित इस मुद्दे को हल कर सरकार ने 'एक देश, एक विधान' की अवधारणा को लागू करने का दावा किया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया। इसके बाद वहां निवेश, पर्यटन और आधारभूत विकास को नई गति मिलने की बात कही गई। निश्चित ही सरकार का यह फैसला राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता के रूप में आज हमारे सामने है।

सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में तीन तलाक कानून भी एक महत्वपूर्ण कदम रहा। मुस्लिम महिलाओं को तत्काल तीन तलाक से कानूनी सुरक्षा देकर सरकार ने लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा संदेश देने का प्रयास किया। इसे महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने वाला निर्णय बताया गया। इसके साथ ही नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए भी मोदी सरकार के प्रमुख फैसलों में शामिल रहा। सरकार ने इसे पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के लिए मानवीय पहल बताया। इसके जरिए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और ईसाई समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का रास्ता खोला गया।

कोविड-19 महामारी के दौरान 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने सरकार की आर्थिक रणनीति को नई दिशा दी। 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के जरिए स्थानीय उद्योगों, एमएसएमई और विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती देने की कोशिश की गई। 'मेक इन इंडिया' अभियान ने भी इसी दिशा में भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का प्रयास किया। रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश बढ़ा और भारत की भूमिका वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत हुई।

इन 12 वर्षों में वित्तीय समावेशन की दिशा में भी बड़ा बदलाव देखा गया। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत करोड़ों लोगों को पहली बार बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी के माध्यम से सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचने लगा। इससे भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका कम होने का दावा किया गया। विश्व बैंक जैसी संस्थाओं ने भी इस मॉडल की सराहना की। दूसरी ओर उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने का काम किया। करोड़ों परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन मिलने से धुएं से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में कमी आई और महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ। इसी तरह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा देने का प्रयास किया।

मोदी सरकार के कार्यकाल में बुनियादी ढांचे के विकास को भी विशेष प्राथमिकता मिली। एक्सप्रेसवे, हाईवे, आधुनिक रेलवे स्टेशन, वंदे भारत ट्रेनें और नए एयरपोर्ट आज 'विकसित भारत' की नई तस्वीर पेश करते दिखाई देते हैं। 'उड़ान' योजना ने छोटे शहरों को हवाई सेवा से जोड़ा, जबकि रेलवे और सड़क नेटवर्क के विस्तार ने लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद की। विदेश नीति के मोर्चे पर भी भारत की भूमिका पहले से अधिक प्रभावशाली नजर आई। क्वाड जैसे रणनीतिक समूहों में भारत की भागीदारी मजबूत हुई। 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के जरिए कोविड संकट के दौरान अनेक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी सॉफ्ट पावर को बढ़ाया। जी-20 समिट की सफल अध्यक्षता ने भी भारत को विकासशील देशों की मजबूत आवाज के रूप में स्थापित किया।

स्वच्छ भारत मिशन ने देश में स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप दिया, जबकि आयुष्मान भारत योजना ने करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराई। जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम सूर्य घर योजना, नमो ड्रोन दीदी और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया।

कुल मिलाकर, यदि केंद्र की मोदी सरकार के पिछले 12 सालों के कार्यकाल को देखा जाए तो कहना यही होगा कि इन वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर व्यापक बदलाव देखे हैं। गरीबी में कमी, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ती साख ने यह संकेत दिया है कि भारत अब दुनिया की दिशा तय करने वाली शक्तियों में अपनी जगह बनाने की ओर बढ़ रहा है। यही कारण है कि मोदी सरकार के ये 12 वर्ष आज 'न्यू इंडिया' के निर्माण के निर्णायक अध्याय के रूप में देखे जा रहे हैं।

बुद्ध के मुख्य शिष्यों की पवित्र विरासत

विवेक अग्रवाल

बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों - अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान - के पवित्र अवशेष १ से १० जून तक उलानबटोर के गंदन मठ में प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से मंगोलिया ले जाए जाएंगे।

दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से, बौद्ध जगत में अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के नाम अत्यधिक श्रद्धा के केंद्र रहे हैं। गौतम बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों के रूप में, वे न केवल बुद्ध के सबसे करीबी आध्यात्मिक साथी थे, बल्कि उनके ज्ञानोदय के बाद धम्म के प्रमुख रक्षक और प्रसारक भी थे।

बौद्ध परंपरा के अनुसार, सारिपुत्त और महामोग्गल्लान का जन्म वर्तमान नालंदा के पास, मगध क्षेत्र के पड़ोसी गांवों में एक ही दिन हुआ था। सारिपुत्त का जन्म उपतिस्स गांव में हुआ था, जबकि महामोग्गल्लान का जन्म कोलित गांव में हुआ था। बचपन की दोस्ती के बंधन में बंधे इन दोनों जिज्ञासुओं ने अंततः परम सत्य की खोज में एक साथ सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया। उनकी आध्यात्मिक यात्रा बुद्ध के सानिध्य में पूरी हुई, जहाँ वे जल्द ही प्रारंभिक संघ के दो सबसे प्रतिष्ठित सदस्यों के रूप में उभरे।

सारिपुत्त को ज्ञान और सैद्धांतिक विश्लेषण के सर्वोच्च गुरु के रूप में जाना जाता था। बौद्ध ग्रंथ उन्हें 'असाधारण बौद्धिक स्पष्टता' और 'करुणा एवं सटीकता के साथ शिक्षाओं को समझाने की अद्वितीय क्षमता' से संपन्न बताते हैं। उन्होंने भिक्षुओं के अनुशासन की देखरेख की, ध्यान साधना का मार्गदर्शन किया और स्वतंत्र रूप से भिक्षुओं को दीक्षित करने वाले पहले अधिकृत शिष्य बने। बुद्ध के सीधे निर्देश के बाद, बुद्ध के पुत्र राहुल को सारिपुत्त द्वारा एक नवदीक्षित भिक्षु (सामनेर) के रूप में दीक्षित किया गया था। उनके नेतृत्व और धम्म पर असाधारण पकड़ के कारण, बुद्ध ने उन्हें 'धम्म का सेनापति' (धम्मसेनापति) की उपाधि दी थी।

थेरवाद बौद्ध परंपरा के अनुसार, ज्ञान प्राप्त करने के बाद बुद्ध ने तावतिंस स्वर्ग में अपनी माता (जिनका वहां पुनर्जन्म हुआ था) सहित देवताओं को अभिधम्म की शिक्षा दी थी। इस अवधि के दौरान, बुद्ध हर दिन कुछ समय के लिए मानव लोक में लौटते थे, जहाँ वे सारिपुत्त को उन शिक्षाओं का सारांश सुनाते थे, और फिर सारिपुत्त उन शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से जन-जन तक पहुँचाते थे।

इसके विपरीत, महामोग्गल्लान को ध्यान और आध्यात्मिक उपलब्धियों के अग्रणी गुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था। बौद्ध साहित्य में उन्हें गहन ध्यान शक्तियों और अस्तित्व के विभिन्न लोकों को देखने की क्षमता से युक्त बताया गया है। देवताओं, ब्रह्मों और दुखी अवस्थाओं में कष्ट भोग रहे जीवों के साथ अपने संवादों के माध्यम से, उन्होंने कर्म के सिद्धांतों और संसार की वास्तविकताओं को स्पष्ट किया। उनकी शिक्षाओं ने अनुयायियों को मानवीय कर्मों के नैतिक और आध्यात्मिक परिणामों की स्पष्ट समझ प्रदान की। गौतम बुद्ध ने अरहंत महामोग्गल्लान पर एक शिक्षक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और प्रारंभिक संघ के रक्षक के रूप में गहरा भरोसा किया, जो अक्सर अनुशासन और सामुदायिक नेतृत्व के मामलों में बुद्ध की ओर से कार्य करते थे। उन्होंने देवदत्त द्वारा पैदा किए गए संघ-भेद (विभाजन) को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे भिक्षुओं को बुद्ध के साथ फिर से एकजुट करने और बौद्ध समुदाय की एकता को बनाए रखने में मदद मिली।

पवित्र अवशेष और उनकी चिरस्थायी श्रद्धा

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण बुद्ध और बौद्ध संघ के लिए एक अत्यंत भावुक क्षण था। अरहंत सारिपुत्त ने बुद्ध के महापरिनिर्वाण से कुछ समय पहले, कत्तिका/कार्तिक (अक्टूबर/नवंबर) महीने की पूर्णिमा को अंतिम मुक्ति (परिनिर्वाण) प्राप्त की, जबकि परंपरा के अनुसार अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण लगभग पंद्रह दिन बाद, उसी महीने की अमावस्या को हुआ था।

बौद्ध परंपरा में, उन्हें आध्यात्मिक प्राप्ति का पवित्र प्रतीक और ज्ञानोदय का जीवंत स्मरण माना जाता है। इसलिए, अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के पवित्र अवशेष असाधारण महत्व रखते हैं, जो बुद्ध धम्म के त्रिरत्नों में से एक-'संघ' की साक्षात प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। विभिन्न बौद्ध संस्कृतियों में, ये पवित्र अवशेष आज भी भक्ति, तीर्थयात्रा और आत्मचिंतन को प्रेरित करते हैं। उनका आदर प्राचीन भारत से आधुनिक विश्व तक बुद्ध की शिक्षाओं की निरंतरता का प्रतीक है। इस गहरी श्रद्धा का एक भव्य नजारा फरवरी २०२४ में थाईलैंड में देखा गया, जो हाल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध राजकीय समारोहों में से एक था।

थाईलैंड की ऐतिहासिक २०२४ अवशेष प्रदर्शनी

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेष २३ फरवरी २०२४ को पहली बार भारत से बाहर गए, जब थाईलैंड ने बैंकॉक के सनम लुआंग में बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ-साथ अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों की स्थापना के लिए एक भव्य राजकीय समारोह का आयोजन किया था। इस ऐतिहासिक आयोजन की संयुक्त अध्यक्षता सोमदेत फ्रा संघराजा सकल महा संघपरिणायक और प्रधान मंत्री स्रेत्था थाविसिन ने की थी।

रॉयल थाई सरकार और भारत सरकार के सहयोग से 'गंगा-मेकांग पवित्र बुद्ध अवशेष' पहल के तहत आयोजित यह प्रदर्शनी, महा वजिरालोंगकोर्न की छठी-चक्र वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आयोजित उत्सवों का हिस्सा थी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ ने भारत से भिक्षुओं और शिक्षाविदों को लाने और बैंकॉक के सिल्पकर्न विश्वविद्यालय में एक पूर्ण दिवसीय विपश्यना कार्यक्रम आयोजित करके इस प्रदर्शनी के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस आयोजन ने भारी जन-भक्ति और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। बैंकॉक प्रदर्शनी के बाद, इन पवित्र अवशेषों को थाईलैंड के विभिन्न हिस्सों जैसे चियांग माई, उबोन रत्चाथानी और क्राबी ले जाया गया-जिससे देश के सभी क्षेत्रों के लगभग ५० लाख (५ मिलियन) बौद्धों को अवशेषों के दर्शन और श्रद्धा सुमन अर्पित करने का अवसर मिला।

मंगोलिया के लिए इन अवशेषों का महत्व क्यों है?

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों को मंगोलिया ले जाने की प्रासंगिकता 'धम्म वाहक' के रूप में उनकी भूमिका में निहित है-वे प्रारंभिक संघ के ऐसे स्तंभ थे जिनका जीवन बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार और सुरक्षा का साक्षात उदाहरण था। उनके दो मुख्य शिष्यों के पवित्र अवशेष संसार में उस ज्ञानोदय के संरक्षण, व्याख्या और प्रसार के प्रतीक हैं। अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान गहन साधना के माध्यम से धम्म की व्यावहारिक अनुभूति का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक साथ मिलकर, दोनों शिष्यों ने बौद्ध अभ्यास के पूरक स्तंभों को साकार किया: ज्ञान और अनुभूति, सिद्धांत और प्रत्यक्ष अनुभव। इसलिए, उनके पवित्र अवशेष उन जीवंत सिद्धांतों के प्रतीक हैं जिनके माध्यम से मुक्ति संभव है, इस प्रकार वे शुद्धतम रूप में सिद्ध संघ का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका सम्मान करना, वास्तव में, मानव इतिहास में बुद्ध के ज्ञानोदय के सफल प्रसार का सम्मान करना है।

मंगोलिया के लिए, इन अवशेषों का आगमन असाधारण अर्थ रखता है। मंगोलिया की बौद्ध पहचान ऐतिहासिक रूप से श्रद्धा, विद्वता, संन्यासी अनुशासन और ध्यान परंपरा में रची-बसी रही है। इन पवित्र अवशेषों की उपस्थिति एक पवित्र और प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करती है, जो बुद्ध धम्म की जीवंत छवि को पूर्ण करती है। मंगोलिया में उनकी उपस्थिति मंगोलियाई भिक्षु समुदाय (संघ) के लिए एक अत्यंत दुर्लभ और शुभ आशीर्वाद है।

(लेखक भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेष: आज आपके मन में नए व्यापारिक विचारों को लेकर उत्साह बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और साथ में अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। सरकारी क्षेत्र से सम्मान या प्रशंसा मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: कार्यस्थल पर माहौल आपके पक्ष में रहेगा, जिससे कामकाज में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आर्थराइटिस या जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आया है। धार्मिक और मांगलिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है। किसी तीर्थ यात्रा की योजना बन सकती है। बच्चों की उपलब्धियों और व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में किसी बड़े अनुबंध या साझेदारी के योग बन रहे हैं। *(सिटी दर्पण)*

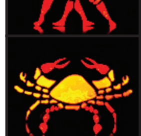
कर्क: आर्थिक मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। केवल भाग्य के भरोसे कार्य छोड़ना नुकसानदायक हो सकता है। परिवार और गृहस्थ जीवन में खर्च बढ़ सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्या या जलन महसूस हो तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिवार और समाज में लोग आपकी उपलब्धियों पर गर्व महसूस करेंगे। सरकारी नियमों और अनुशासन का पालन करना लाभकारी रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। मौसम में बदलाव के कारण स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है। रचनात्मक और कलात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में धन संबंधी मामलों को लेकर चिंता बनी रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन काफी सकारात्मक रहेगा। फिजूल खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। नियमित दिनचर्या अपनाने से मानसिक और शारीरिक संतुलन बना रहेगा। ऑफिस में आपका व्यवहार सहकर्मियों को प्रभावित करेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: आज किसी पर अत्यधिक निर्भर रहना आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। किसी विवाद या बहस में उलझने की संभावना है। बच्चों की संगति और गतिविधियों पर ध्यान रखें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। नई तकनीक और नए कौशल सीखने में रुचि बढ़ेगी। लंबे समय से रुके हुए काम समय पर पूरे होने लगेंगे। प्रॉपर्टी या जमीन से जुड़ी डील में बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: कार्यस्थल पर कुछ जरूरी काम जल्दबाजी में पूरे करने पड़ सकते हैं। इसके बावजूद आप दूसरों की मदद करने में पीछे नहीं हटेंगे। आपके विनम्र और मधुर व्यवहार से लोग प्रभावित रहेंगे। अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध बनेंगे। *(सिटी दर्पण)*

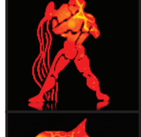
कुंभ: आज आपके अधिकांश कार्य सफल होते दिखाई देंगे। लंबे समय से चली आ रही उलझनों का समाधान मिल सकता है। दोपहर के बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में होती नजर आएंगी। जीवनसाथी के साथ दिल की बातें साझा करने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

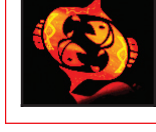
मीन: धन संबंधी मामलों को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। अपनी प्रतिभा और बुद्धिमत्ता का सही उपयोग न कर पाने से निराशा महसूस होगी। मानसिक बेचैनी के कारण गुस्सा दूसरों पर निकल सकता है। बाहर का तला-भुना भोजन सेहत बिगाड़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। *(सिटी दर्पण)*

बेतहाशा बढ़ती गर्मी: भविष्य की गंभीर चेतावनी

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं, एक गहराते सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है।

यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना जरूरी है कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता है। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की आशंका होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है।

भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सीमा पार से हथियार तस्करी करने वाले मॉड्यूल से जुड़े पांच आरोपी 8 पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी विदेशी तस्कर से संपर्क के लिए वर्चुअल नंबरों का करते थे इस्तेमाल: डीजीपी गौरव यादव

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़/अमृतसर

पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए जारी अपने अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच आरोपियों को आठ आधुनिक पिस्तौलों और जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अर्शदीप सिंह उर्फ डी (21) निवासी गुरु की वडाली, अमृतसर; मनप्रीत सिंह उर्फ मान (26) निवासी गांव भैणी, अमृतसर; सुखराज सिंह उर्फ बिल्ला (29) निवासी गांव नौशहरा ढल्ला, तरनतारन; राहुल गिल उर्फ राहुल (22), जो भिखीविंड का निवासी है और वर्तमान समय में गांव दराजके, तरनतारन में रह रहा था; और अर्शदीप सिंह उर्फ गग्गड़ (25) निवासी गांव लोहके, तरनतारन के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है, जिनके खिलाफ आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, हत्या के प्रयास, अपहरण और जेल एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं।

बरामद किए गए पिस्तौलों में एक 9 एमएम जिगाना, एक .30 बोर पीएक्स 3 (चीन निर्मित), एक .30 बोर बेरेटा (इटली निर्मित), तीन 9 एमएम ग्लॉक और दो .32 बोर पिस्तौल शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी विदेशी तस्कर से संपर्क के लिए वर्चुअल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह मॉड्यूल सीमा पार से ड्रोन के जरिए भेजी जाने वाली हथियारों और नशे की खेप प्राप्त कर इन्हें पंजाब में आगे आपराधिक तत्वों को सप्लाई करता था।

डीजीपी ने कहा कि नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान के लिए मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने हेतु आगे जांच की जा रही है।

पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भूल्लर ने बताया कि विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने आरोपी राहुल गिल उर्फ राहुल को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने बताया कि राहुल के खुलासों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आगे आरोपी अर्शदीप उर्फ गग्गड़ को एक पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने कहा कि मामले की गहराई से जांच के दौरान पुलिस टीमों ने दो अन्य सक्रिय सदस्यों - अर्शदीप उर्फ डी और मनप्रीत उर्फ मान की पहचान की और उन्हें उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे छेहरटा, अमृतसर स्थित मीरी पीरी अकादमी रोड के पास मोटरसाइकिल पर जा रहे थे तथा उनके कब्जे से दो और पिस्तौल बरामद हुए। इसके अलावा उक्त आरोपियों द्वारा किए गए खुलासों के आधार पर पुलिस ने दो अन्य पिस्तौल भी बरामद कर लिए।

पुलिस कमिश्नर ने आगे बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों आरोपी अर्शदीप उर्फ डी और मनप्रीत उर्फ मान ने खुलासा किया कि बरामद किए गए हथियार और गोला-बारूद उन्होंने आरोपी सुखराज उर्फ बिल्ला से खरीदे थे और उनके बयानों के आधार पर आरोपी सुखराज उर्फ बिल्ला को .30 बोर बेरेटा पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में अमृतसर के थाना छेहरटा में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 106 दिनांक 18-05-2026 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 (6,7,8) के तहत एफआईआर नंबर 110 दिनांक 21-05-2026 के अंतर्गत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

भगत ने अधिकारियों को पूर्व सैनिकों के लिए बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण तथा पुनर्वास के लिए तेजी से कार्य कर रही है। रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने अधिकारियों को पंजाब एक्स-सर्विसमैन कॉर्पोरेशन (पेस्को) को और मजबूत बनाने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं, ताकि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को बेहतर रोजगार अवसर और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा सके।

पंजाब सिविल सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री ने पेस्को के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पूर्व सैनिकों के हित में अधिक कुशलता और समर्पण के साथ कार्य करने तथा कल्याणकारी योजनाओं को समय पर लागू करने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान रक्षा सेवाएं कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सुमेर सिंह गुर्जर, पेस्को के प्रबंध निदेशक मेजर जनरल हरमनदीप सिंह तथा जनरल मैनेजर (प्रशासन) एन. एस. घुम्मन ने मंत्री को कॉर्पोरेशन के विभिन्न चल रहे कार्यक्रमों और प्रशासनिक मामलों की जानकारी दी। बैठक के दौरान वित्तीय प्रबंधन, कर्मचारियों के बीमा कवरेज, वेतन वितरण की सुचारू व्यवस्था, सुरक्षा गार्डों के प्रशिक्षण, विभागीय संपत्तियों के रखरखाव, अग्निवीरों के लिए रोजगार अवसर तथा पुरानी प्रशिक्षण संस्थाओं के उन्नयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

मंत्री ने अधिकारियों को सभी कल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता, दक्षता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों ने देश के लिए अमूल्य सेवाएं दी हैं और उनके सम्मान, कल्याण तथा आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि पेस्को को अपग्रेड करने और राज्यभर में पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार अवसर बढ़ाने हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

राज्यपाल ने अटल संस्मरण पुस्तक का विमोचन किया अटल जी की राष्ट्र प्रथम भावना को किया रेखांकित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब लोक भवन में अटल संस्मरण पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोक टंडन द्वारा भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर लिखी गई है। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने अटल जी को दूरदर्शी राजनेता, आदर्श सांसद और सच्चे राष्ट्रवादी के रूप में वर्णित किया, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मातृभूमि की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने सदैव राजनीतिक हितों, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और सत्ता से ऊपर ह्लराष्ट्र प्रथमह्व को रखा।

श्री कटारिया ने कहा कि अटल जी में कम आयु से ही अपने प्रभावशाली भाषणों और प्रेरणादायक कविताओं के माध्यम से लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने कहा कि अटल जी के शब्दों में श्रोताओं को गहराई से प्रभावित करने तथा विभिन्न विचारधाराओं के लोगों को जोड़ने की शक्ति थी। अटल जी के राष्ट्रप्रेम को स्मरण करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी देशभक्ति और प्रभावशाली वक्तृत्व कला को देखते हुए तत्कालीन विपक्षी नेतृत्व ने भी उन्हें वर्ष 1977 में संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा था।

श्री कटारिया ने कहा कि चाहे पोखरण परमाणु परीक्षण हो, भारत के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना, वैज्ञानिक प्रगति को बढ़ावा देना अथवा कारगिल युद्ध के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना, अटल जी का प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णय राष्ट्रीय हित और आत्मनिर्भर भारत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता था।

अटल संस्मरण पुस्तक के लेखक वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोक टंडन ने इस पुस्तक को अटल जी को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि बताते हुए उनसे जुड़े कई स्मरणीय अनुभव साझा किए। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) शबीहुल हसनैन ने कहा कि अटल जी के व्यक्तित्व में राष्ट्रवाद और मानवीय मूल्यों का अद्भुत समन्वय था, जिसकी झलक उनकी कविताओं में भी दिखाई देती थी। भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री सत्य पाल जैन ने अटल जी को अपने शब्दों पर अडिग रहने वाले तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित राजनेता बताया। पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल वेद प्रकाश मलिक ने कहा कि अटल जी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय परामर्श, संवाद और सहमति में विश्वास रखते थे। इस अवसर पर सांसद श्री अतुल गर्ग सहित भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के अनेक प्रशंसक एवं अनुयायी भी उपस्थित थे।

मान सरकार की वन्यजीव संरक्षण मुहिम की सफलता से 5 महीनों में 2.30 लाख से अधिक पर्यटक छत्तबीड़ चिड़ियाघर पहुंचे: कटारूचक्क

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

महिंदर चौधरी जूलॉजिकल पार्क, छत्तबीड़ में पर्यटकों की लगातार बढ़ रही आमद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा वन्यजीव संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के प्रत्यक्ष परिणाम दर्शा रही है। यह जानकारी साझा करते हुए वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि मौजूदा वर्ष के पहले पांच महीनों में छत्तबीड़ चिड़ियाघर में 2,31,930 पर्यटकों की आमद दर्ज की गई है, जो राज्य सरकार द्वारा वन्यजीव संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों को दशार्ती है।

इस संबंध में पंजाब के वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में हमारी सरकार लोगों को वन्यजीवों के संरक्षण और देखभाल के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार कार्य कर रही है और लोगों की ओर से मिला उत्साहजनक सहयोग इस अभियान की सफलता को दशार्ता है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि छत्तबीड़ चिड़ियाघर में केवल जनवरी महीने में ही 48,719 पर्यटक पहुंचे, जबकि फरवरी में 54,216, मार्च में 66,377, अप्रैल में 40,168 और मई में 22,450 पर्यटकों ने यहां के सुव्यवस्थित और बेहतरीन तरीके से संजोए गए वातावरण में विभिन्न प्रकार के पक्षियों और जानवरों की प्रजातियों को देखा।

चिड़ियाघर में की गई वन एवं वन्यजीव संरक्षण संबंधी पहलों का उल्लेख करते हुए लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के तहत छत्तबीड़ चिड़ियाघर में कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा और सबसे लंबा वॉक-इन एवियरी (पक्षीघर) आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। इसके साथ ही पर्यटकों के शैक्षणिक और मनोरंजक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक अत्याधुनिक डायनासोर पार्क भी स्थापित किया गया है।

पंजाब स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष करतार सिंह जौड़ा ने पदाधिकारियों की पहली सूची जारी की

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

पंजाब स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष करतार सिंह जौड़ा की ओर से प्रदेश जनरल सैक्रेटरी मुखतियार सिंह सोनी व प्रदेश कोषाध्यक्ष बलविंदर कुमार सराफ के साथ विचार - विमर्स करने के बाद आज पंजाब स्वर्णकार संघ (रजि)के पदाधिकारीयों की पहली नई कार्यकारणी की पहली लिस्ट जारी की । जिस अनुसार हरजिंदर सिंह चंचल अम्रितसर चीफ पैटरन, चरनजीत सिंह पूजी अम्रितसर चीफ एडवाइजर, बलबीर सिंह रामूवालिया मोगा, वरिंदर कुमार सोनी अबोहर, रकेश कुमार सदियोड़ा बरनाला, भीम सैन वर्मा पटियाला, परमजीत सिंह जौहर (पम्मा)मलोट, गुरचरन सिंह (पप्पू)कोटकपूरा, अमरजीत सिंह कटोदीया मानसा, अश्वनी कुमार वर्मा जलालाबाद, केवल कृष्ण लुथरा जालंधर, रवी कमल सराफ सुनाम, गुलशन वर्मा संगरूर को प्रदेश उपाध्यक्ष,रजिंदर सिंह खुरमी बठिंडा, दलजीत सिंह कंडा मुक्तसर, मनमोहन सिंह कुक्कू बठिंडा, परवीन कुमार डाबर अबोहर, सुखचैन सिंह रामूवालिया मोगा, गुरप्रीत सिंह कंडा मुक्तसर, राम सिंह मसौण तलवंडी, रजिंदर सिंह राणा कोटकपूरा, भूपिंदर सिंह जौहर मुक्तसर, जसविंदर सिंह जौड़ा कोटकपूरा, परवीन कुमार लक्की पटियाला को प्रदेश सैकटरी, विनोद कुमार लाली अबोहर को प्रदेश प्रैस सैकटरी, रघवीर सिंह ढल्ला भगता भाई का, कालू राम सोनी अबोहर, सुरेश कुमार सोनी मलोट, जगिंदर सिंह जौड़ा भुच्चो मंडी को स्टेट पैटर्न ,कुलतार सिंह सदियोड़ा बठिंडा को स्टेट आडीटर, वेद प्रकाश सिंह खुरमी एडवोकेट बठिंडा को स्टेट लीगल एडवाइजर नियुक्त किया गया है।

यूथ अकाली दल प्रमुख झिंजर 30 मई से बोलेगा घनौर बदलेगा दौर नामक 10 दिवसीय पदयात्रा करेंगे शुरू

सिटी दर्पण संवाददाता
घनौर

युथ अकाली दल प्रमुख झिंजर 30 मई से बोलेगा घनौर, बदलेगा दौर नामक 10 दिवसीय पदयात्रा करेंगे शुरू

युथ अकाली दल के अध्यक्ष और घनौर हलका इंचार्ज सरबजीत सिंह झिंजर ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी आगामी पदयात्रा ह्यबोलेगा घनौर, बदलेगा दौरह्ण की घोषणा की। मीडिया को संबोधित करते हुए झिंजर ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि पिछले नौ वर्षों से घनौर के लोगों को लगातार नजरअंदाज और शोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले पांच वर्षों तक कांग्रेस सरकार और उसके बाद चार वर्षों तक आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान घनौर के लोगों की आवाज को दबाया जाता रहा।

झिंजर ने कहा, पिछले नौ वर्षों में सभी सरकारों ने घनौर के लोगों का फायदा उठाया, लेकिन उनकी वास्तविक समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया। जनता की समस्याओं को सीधे सुनने, गांवों की असली दिक्कतों को समझने और फिर उनकी आवाज को उचित स्तर तक पहुंचाने के लिए मैं शिरोमणि अकाली दल के कार्यकर्ताओं के साथ पूरे हलके में पदयात्रा करूंगा। झिंजर ने बताया कि यह पदयात्रा 30 मई को सुबह 7 बजे गुरुद्वारा श्री निम्म साहिब पातशाही नौवीं, गांव अक्कर, घनौर से विधिवत रूप से शुरू होगी। यह यात्रा 8 जून को समाप्त होगी और 10 दिनों के दौरान घनौर हलके के 100 से अधिक गांवों को कवर करेगी।

अकाली दल नेता ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचना, गांवों में जाकर उनकी शिकायतें सुनना और उनकी समस्याओं को दर्ज करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यात्रा के दौरान जुटाए गए सभी मुद्दों को पंजाब स्तर पर राज्य प्रशासन के समक्ष उठाया जाएगा। झिंजर ने कहा, पंजाब प्रशासन को यह अवगत कराना जरूरी है कि घनौर के लोग वास्तव में किन समस्याओं के साथ जीवन बिता रहे हैं। यह यात्रा कोई राजनीतिक रैली नहीं, बल्कि जनता का आंदोलन है। झिंजर ने लोगों से बड़ी संख्या में इस पदयात्रा में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि घनौर हलके की सामूहिक आवाज को राज्य सरकार के उच्च स्तर तक पहुंचाना जरूरी है। इस दौरान एसजीपीसी सदस्य जस्मीर सिंह लच्छरू, गुरजिंदर सिंह काबुलपुर, कुलविंदर सिंह काला और परमिंदर सिंह सरवरां भी शामिल थे।

संक्षिप्त-समाचार

संधवां द्वारा पूर्व भारतीय खेल प्रशासक एवं खेल निशानेबाज राजा रणधीर सिंह के निधन पर दुख व्यक्त

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने भारतीय खेल प्रशासक एवं एशियाई खेलों में निशानेबाजी में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीतने वाले महान खिलाड़ी राजा रणधीर सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। खेल जगत में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। स्पीकर संधवां ने उनके निधन की खबर सुनकर अत्यंत दुख महसूस किया और उन्होंने परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति तथा इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

पॉलिसीबाजार ने टू-व्हीलर बीमा खरीद प्रक्रिया में 8 क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल किया

चंडीगढ़। पॉलिसीबाजार, जो भारत का सबसे बड़ा इंश्योरेंस पोर्टल है, ने टू-व्हीलर बीमा खरीदने की प्रक्रिया को अब 8 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराया है। इस पहल का उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 शहरों के साथ-साथ ग्रामीण भारत के लोगों के लिए बीमा खरीद को अधिक आसान और सुलभ बनाना है। अंग्रेजी और हिंदी के अलावा, यह मल्टीलिंगुअल टू-व्हीलर बीमा अनुभव अब पंजाबी, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, ओड़िया, मराठी, गुजराती और बंगाली भाषाओं में भी उपलब्ध है। इस नई सुविधा के तहत अब ग्राहक अपनी पसंदीदा भाषा में बीमा खरीदने की पूरी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। इसमें वेबसाइट के लैंडिंग पेज पर जाना, विभिन्न प्रोडक्ट्स की जानकारी लेना, प्लान्स की तुलना करना और अंत में बीमा खरीदना शामिल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को बीमा खरीदने में सक्षम बनाना है, जो अंग्रेजी की बजाय अपनी स्थानीय भाषा में लेन-देन करना अधिक सहज और सुविधाजनक समझते हैं।

विकेड सनी ने लॉन्ग वे फ्रॉम होम के जरिए अपने संगीत सफर का एक नया अध्याय शुरू किया

चंडीगढ़। विकेड सनी अपने संगीत सफर में एक नई शुरुआत कर रहे हैं लॉन्ग वे फ्रॉम होम के साथ, जो उनके डेब्यू ईपी द लोकल किड का पहला सिंगल है और टाइम्स म्यूज़िक के माध्यम से रिलीज हुआ है। इस गाने में एमसी स्क्वेयर और राधिका भिड़े शामिल हैं। यह ट्रैक घर छोड़ने, नए शहर में सपनों का पीछा करने और अपने अतीत और भविष्य के बीच फंसे रहने की भावनाओं को दशार्ता है। अपनी तीखी लेखनी और भारतीय हिप-हॉप में अलग पहचान रखने वाले प्रयागराज में जन्मे और मुंबई में बसे इस कलाकार ने इस रिलीज के साथ अब तक के अपने सबसे निजी गानों में से एक पेश किया है। द लोकल किड पांच गानों का एक ऐसा जर्नल है, जो एक छोटे शहर के लड़के की बड़े शहर में जिंदगी को समझने की कहानी कहता है–वो जीतें जिन पर किसी ने तालियां नहीं बजाईं, वो हारें जिन्हें उसने हंसकर टालने की कोशिश की और उनके बीच के लंबे खामोश पल।

चितकारा इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने मार्स इंटरनेशनल स्पेलिंग बी 2026 चैम्पियनशिप में दिखाया दम

चंडीगढ़। चितकारा इंटरनेशनल स्कूल (सीआईएस) के विद्यार्थियों ने हाल ही में मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित मार्स इंटरनेशनल स्पेलिंग बी चैम्पियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन कर स्कूल और क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित इस प्रतियोगिता में हजारों विद्यार्थियों ने विभिन्न चरणों में भाग लिया। प्रतियोगिता में स्पेलिंग, उच्चारण, शब्दावली, वर्बल रीजनिंग और भाषाई दक्षता का परीक्षण किया गया। सीआईएस पंचकूला के छात्र आकाश निमवाल ने कैटेगरी-1 में 100 में से 100 अंक हासिल कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया। आकाश ने 2024-25 सत्र में इस प्रतियोगिता में भाग लेकर क्वालीफाई किया जब वे कक्षा पहली के विद्यार्थी थे और उन्होंने पूरे वर्ष लगातार कड़ी तैयारी कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब पहला स्थान हासिल किया। वर्तमान में वह कक्षा तीसरी में अध्ययनरत हैं। अपनी सफलता पर आकाश ने कहा कि नियमित अभ्यास और माता-पिता, दादा-दादी तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

शादी समारोह में भोजन के बाद बीमार हुए लोगों का मामला

कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने अस्पताल पहुंचकर मरीजों का जाना हाल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/मूनक

पंजाब के कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज सिविल अस्पताल मूनक पहुंचकर हाल ही में एक शादी समारोह में भोजन करने के बाद बीमार हुए लोगों को दिए जा रहे इलाज का जायजा लिया। मंत्री ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हाल जाना और अधिकारियों को सभी प्रभावित लोगों के लिए निरंतर चिकित्सा सुविधाएं तथा तुरंत इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बता दें कि पिछले दिनों मूनक में एक शादी समारोह के दौरान भोजन करने के बाद कई लोगों, जिनमें महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे, की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद प्रभावित लोगों को सिविल अस्पताल मूनक तथा कुछ को निजी अस्पतालों में भर्ती करवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

कैबिनेट मंत्री एडवोकेट बरिंदर कुमार गोयल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सिविल सर्जन संगरूर, एसडीएम तथा अन्य अधिकारियों को तुरंत अस्पताल पहुंचकर मरीजों का समुचित इलाज सुनिश्चित करने और हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक सभी मरीज पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाते तब तक स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अधिकारी 24 घंटे स्थिति पर नजर रखेंगे। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर इलाज व्यवस्था और सुविधाओं का जायजा लिया। मरीजों के इलाज में तेजी लाई गई तथा विभिन्न शहरों से डॉक्टरों की टीमों को बुलाकर हर प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। कुछ मरीजों को संगरूर रेफर भी किया गया है। कैबिनेट मंत्री एडवोकेट बरिंदर कुमार गोयल ने सिविल अस्पताल मूनक पहुंचकर मरीजों का हाल जाना और अस्पताल में किए गए प्रबंधों पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, डॉक्टरों और प्रशासनिक अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी भी हासिल की।

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि शादी समारोह में भोजन करने के बाद बिमार हुए करीब 72 लोगों को सरकारी और कुछ को निजी अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा से सभी मरीज खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि कौहरियां, संगरूर, भवानीगढ़ और लहरागागा से डॉक्टरों की टीमें मरीजों का इलाज कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि पटियाला से भी विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम मूनक अस्पताल पहुंच रही है। सिविल सर्जन संगरूर स्वयं पूरे मिशन की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर हेल्थ से भी बातचीत हो चुकी है ताकि मरीजों के इलाज में किसी प्रकार की कोई कमी न रहे। उन्होंने कहा कि मरीजों के इलाज में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तीन एंबुलेंस मौके पर तैयार रखी गई हैं। सभी मरीजों ने अस्पताल में मिल रही चिकित्सा सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि दूध और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी के खिलाफ केंद्र सरकार को पूरे देश में सख़्त कानून बनाने चाहिए ताकि मिलावट के कारण होने वाली ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई करेगी।

जनता की समस्याओं का तुरंत हो निस्तारण किसानों को खाद की न हो कमी: मुख्यमंत्री

हेलीपैड पर उमड़ा जनसैलाब, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुनीं जनसमस्याएं

एजेंसी (हि.स.)
खटीमा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने गृह क्षेत्र खटीमा के एक दिवसीय दौरे के दौरान आम जनता और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। लोहियाहेड हेलीपैड पर आयोजित एक अनौपचारिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह की समस्याओं को अत्यंत गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से कृषि सीजन को देखते हुए किसानों के लिए पर्याप्त खाद और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का हेलीकॉप्टर जैसे ही लोहियाहेड हेलीपैड पर उतरा, वहां पहले से मौजूद सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों, किसानों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा घेरे से बाहर निकलकर सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनसे मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने पानी, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और स्थानीय विकास से जुड़ी अपनी-अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी फरियादियों के प्रार्थना पत्र लिए और कई मामलों में मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को फोन पर या सीधे तौर पर निस्तारण के आदेश दिए।

किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश

फोटो: हि.स.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, ने कहा, हमारी सरकार पूरी तरह से जनता के प्रति जवाबदेह है। सरलीकरण, समाधान और संतुष्टिकरण के मूल मंत्र पर काम करते हुए हर अधिकारी को आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुलझाना होगा।

उन्होंने कहा कि फरियादियों को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए जिला प्रशासन को अपनी कार्यप्रणाली में और अधिक सुधार लाना होगा।

उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों, विशेषकर उधम सिंह नगर जिले में इस समय फसलों की बुवाई और देखरेख का महत्वपूर्ण समय चल रहा है। इस बात को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने किसानों की समस्याओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। क्षेत्र के किसानों ने मुख्यमंत्री को यूरिया और डीएपी खाद की उपलब्धता को लेकर अपनी चिंताएं बताईं। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री धामी ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के सभी सरकारी और निजी खाद केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों का स्टॉक सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन जैसे उन्नत बीज, खाद और सिंचाई की सुविधाएं समय पर मिलना बेहद जरूरी है। यदि कहीं भी ब्लैक मार्केटिंग (कालाबाजारी) या खाद की कृत्रिम किल्लत पैदा करने की शिकायत मिली, तो संबंधित अधिकारियों और डीलरों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लगातार मैदान पर जाकर सोसायटियों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि कतारों में खड़े किसानों को बिना किसी परेशानी के खाद मिल सके।

अमेरिका की कागज मिल में केमिकल टैंक फटा, कई लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

फोटो: हि.स.

अमेरिका की एक कागज (पेपर) और पल्प मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। मिल परिसर में लगभग 10 लोग गंभीर स्थिति में मिले हैं। यह लोग केमिकल की चपेट में आने से झुलस गए। मिल प्रबंधन ने कहा है कि कई कर्मचारी लापता हैं। सरकारी अधिकारियों और प्रबंधन ने इस बात की पुष्टि की कि मंगलवार सुबह हुए इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, यह मिल (निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी) अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में नहीं, बल्कि देश के पश्चिमोत्तर प्रांत वाशिंगटन के लॉन्गव्यू में स्थित है। अधिकारियों ने साफ किया है कि इस घटना से आसपास के नागरिकों को तत्काल कोई खतरा नहीं है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि उन्हें इस घटना की सूचना मंगलवार सुबह करीब 7:15 बजे मिली। बताया गया कि मिल में 'व्हाइट लिकर' से भरा एक टैंक फट गया है। लॉन्गव्यू फायर बटालियन चीफ माइक गोरसच ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, अब हालात स्थिर हैं। अभी बचाव कार्य चल रहा है। गोरसच के साथ मौजूद काउलिट्ज 2 फायर एंड रेस्क्यू के चीफ स्कॉट गोल्डस्टीन ने बताया कि मृतकों की संख्या का अंदाजा लगा पाना अभी मुश्किल है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह बताने से मना कर दिया कि कितने लोग लापता हैं। गोरसच के मुताबिक, राहत और बचाव कार्य के दौरान फिसलने से एक दमकलकर्मी घायल हो गया। ओरेगन में पोर्टलैंड फायर एंड रेस्क्यू के प्रवक्ता रिक ग्रेव्स ने बताया कि जिन लोगों की हालत गंभीर है, उनका इलाज आसपास के चिकित्सा केंद्रों में किया जा रहा है। कुछ लोगों को बर्न सेंटर में भी दाखिल कराया गया है। निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी की यह इकाई कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। यहां कंपनी की पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। यहां टिशू पेपर, प्रिंटिंग पेपर, कप, प्लेट, कार्टन और अन्य सामान बनाने के लिए कच्चा माल तैयार किया जाता है। प्रांत के पर्यावरण विभाग के अनुसार, इस मिल में लगभग 1,000 लोग काम करते हैं। गोल्डस्टीन ने बताया कि जो 80,000 गैलन (303,000 लीटर) क्षमता वाला टैंक फटा है, वह लगभग 60 फीसदी भरा था। यह केमिकल मुख्य रूप से सोडियम हाइड्रॉक्साइड और सोडियम सल्फाइड से मिलकर बनता है।

इजराइल के हमले में लेबनान में कम से कम 34 लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
बेरूत/तेल अवीव

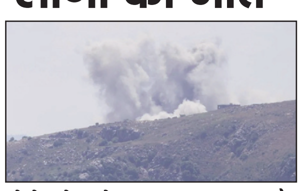

लेबनान में जारी सैन्य विराम के बीच इजराइल ने हिजबुल्लाह के गढ़ दक्षिणी लेबनान में हवाई और जमीनी हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों में मंगलवार को कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। इस बीच इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी व पूर्वी लेबनान के कस्बों और गांवों को जबरदस्ती खाली कराना शुरू कर दिया है।

लेबनान के अखबार लोरिएंट टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के आक्रामक रुख से दक्षिणी लेबनान में दहशत फैल गई है। लोग इजराइली थल सेना के तेज होते हमलों से बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। थल सेना हमले करते हुए आगे बढ़ रही है। आईडीएफ ने पूर्वी लेबनान के बेका क्षेत्र में मशगारा और उससे थोड़ा और उत्तर में, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण काराउन बांध पर हमला किया है। आईडीएफ ने नबातीह शहर को खाली कराने के लिए लोगों को खदेड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इसका मकसद उत्तरी इजराइल में समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उधर, गोलाबारी के बीच फंसे लाखों लोगों के लिए संघर्ष-विराम का भ्रम पूरी तरह से टूट चुका है। इजराइली सेना का कहना है कि उत्तरी इजराइल में हवाई हमले की आशंका के मद्देनजर कई इलाकों में सायरन बज रहे हैं। इस बीच हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान और उत्तरी इजराइल में इजरायली सैन्य ठिकानों पर किए गए 22 हमलों की जिम्मेदारी ली है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सोमवार शाम बेका घाटी के मशघारा गांव में एक इमारत पर हुए इजराइली हमले में कम से कम 11 लोग मारे गए।

नेपाल में मानसून के समय आने वाली प्राकृतिक आपदा को लेकर सरकार की तैयारी पूरी

काठमांडू। नेपाल में मानसून के दौरान होने वाली आपदाजनक घटनाओं में खोज और बचाव कार्य के लिए सरकार ने करीब डेढ़ सौ गोताखोरों सहित 26 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैयारी की स्थिति में रखा है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, तीनों सुरक्षा निकायों नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और नेपाली सेना से तैयार किए गए ये सुरक्षाकर्मी आवश्यकता के आधार पर देशभर में परिचालित किए जाएंगे। प्राधिकरण की प्रवक्ता शांति महत ने बताया कि मानसूनी आपदाओं से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और राष्ट्रीय प्रतिकार्य योजना भी तैयार कर लागू की जा चुकी है। उनके अनुसार संबंधित निकायों को जिम्मेदारियां भी सौंप दी गई हैं। उन्होंने बताया कि मानसूनी आपदाओं के दौरान खोज और बचाव कार्य के लिए नेपाली सेना के 7 हजार 524, नेपाल पुलिस के 10 हजार 585 और सशस्त्र प्रहरी बल के 134 गोताखोरों सहित 8 हजार 110 जवानों को तैयारी की अवस्था में रखा गया है। ये सुरक्षाकर्मी आवश्यकता के अनुसार नेपाल के सभी 77 जिलों में खोज और बचाव कार्य के लिए तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर प्रत्येक जिले में उपलब्ध अतिरिक्त जनशक्ति भी परिचालित की जाएगी।

नेपाल में कैंसर की दवाओं की भारी किल्लत

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के सबसे बड़े कैंसर उपचार केंद्र वीपी कोइराला मेमोरियल कैंसर अस्पताल में कैंसर की दवाओं की भारी कमी हो गई है। विश्व स्तर पर प्रभावित हुई कैंसर उपचार की कुछ महत्वपूर्ण दवाएं अस्पताल में भी उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. गुरुशरण शाह के अनुसार, वर्तमान में दुनिया भर में कैंसर उपचार में इस्तेमाल होने वाली महत्वपूर्ण दवाओं की कमी देखी जा रही है, जिसका सीधा असर बीपी कोइराला मेमोरियल कैंसर अस्पताल पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा, दवाओं की कमी से केवल कीमोथेरेपी की प्रभावशीलता ही कम नहीं हो रही, बल्कि बाजार में घटिया गुणवत्ता वाली दवाओं के इस्तेमाल से मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

डॉ. साह के अनुसार, फिलहाल विशेष रूप से कार्बोप्लाटिन और सिसप्लाटिन दवाओं की अत्यधिक कमी है। उनका कहना है कि यह संकट केवल नेपाल तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। उन्होंने कहा, इन दवाओं के निर्माण के लिए आवश्यक एपीआई (मुख्य कच्चे तत्व) की वैश्विक आपूर्ति में कमी इसका मुख्य कारण है। निकट भविष्य में ऑक्सालोप्लाटिन की भी कमी होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि ये दवाएं कैंसर की कीमोथेरेपी योजना का मुख्य आधार होती हैं। साह के मुताबिक इन दवाओं के बिना कीमोथेरेपी का पूरा रेजिमेन संभव नहीं होता और उपचार की प्रभावशीलता पर गंभीर नकारात्मक असर पड़ता है। इसके कारण मरीज गुणवत्तापूर्ण उपचार से वंचित हो रहे हैं और कैंसर ठीक होने की दर में गिरावट आने का खतरा बढ़ गया है।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग को बयान के लिए बुलाया गया

काठमांडू। नेपाल के पूर्व गृह मंत्री सुदन गुरूंग को बयान दर्ज कराने के लिए जांच समिति ने पत्र भेजा है। गुरूंग के खिलाफ जांच के लिए गठित समिति बुधवार को उनका बयान लेने की तैयारी कर रही है। समिति ने मंगलवार को ही गुरूंग को पत्र भेजकर बुधवार को बयान के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है। समिति के अध्यक्ष अच्युत प्रसाद भण्डारी ने कहा, 'पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के आय से अधिक संपत्ति और अवैध कारोबार की जांच के लिए स्टॉक एक्सचेंज, बैंकों और जमीन से जुड़े हुए सभी रिपोर्टों का अध्ययन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद हम बुधवार को उनका बयान लेंगे। हालांकि, जांच समिति ने माना कि कुछ अतिरिक्त रिपोर्ट भी मंगाने की आवश्यकता महसूस हो रही है। सरकार ने 11 मई को उच्च अदालत के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश अच्युत प्रसाद भण्डारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। समिति में महालेखा नियंत्रक शोभाकांत पौडेल और महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के सहन्यायाधिवक्ता अच्युत मणि न्यौपाने सदस्य हैं। गुरूंग ने 22 अप्रैल को गृह मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। 27 मार्च को गृह मंत्री बने गुरूंग अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक होने के बाद विवादों में घिर गए थे।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने ओडिशा से तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को गिरफ्तार किया

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और डायमंड हार्बर पुलिस की संयुक्त टीम ने दक्षिण 24 परगना के विष्णुपुर से तृणमूल विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें कोलकाता लाया जाएगा। मंडल का हाल में एक वीडियो वायरल हुआ था। आरोप है वीडियो में उन्होंने विपक्षी कार्यकताओं और समर्थकों को धमकी दी थी। हालांकि, वीडियो की सत्यता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी मामले को लेकर उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और 14 मई को पैलान स्थित उनके घर पर छापा मारा। वह घर पर नहीं मिले। बताया गया है कि दो दिन पहले एसटीएफ को सूचना मिली कि दिलीप मंडल पुरी के ह्वब्लू लिलीह्व होटल में ठहरे हैं। इसी सूचना के आधार पर एसटीएफ और डायमंड हार्बर पुलिस ने होटल में छापा मारा। रजिस्टर की जांच के बाद पुलिस ने उनके कमरे में पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पुलिस पहले ही विधायक के बेटे अर्घ्य मंडल को गिरफ्तार कर चुकी है। उन पर इलाके में अशांति फैलाने का आरोप है। गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से आग्नेयास्त्र बरामद होने का भी दावा किया गया था। इसी मामले में चार अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। शिकायत दर्ज होने के बाद दिलीप मंडल ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया । उन्होंने गिरफ्तारी से सुरक्षा और अपने खिलाफ दर्ज कई एफआईआर रद करने की मांग की थी। यह याचिका अदालत में लंबित है।

धर्म दर्पण

अधिकमास का पहला गुरु प्रदोष व्रत आज

भगवान शिव को समर्पित प्रदोष व्रत इस बार अधिकमास में पड़ने के कारण विशेष महत्व रखता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अधिकमास में किए गए व्रत-पूजन का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। ऐसे में ज्येष्ठ अधिकमास का पहला प्रदोष व्रत 28 मई, गुरुवार को रखा जाएगा। गुरुवार के दिन होने के कारण इसे गुरु प्रदोष व्रत भी कहा जाएगा। पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अधिकमास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 28 मई को सुबह 7:56 बजे शुरू होगी और 29 मई को सुबह 9:50 बजे समाप्त होगी। चूंकि प्रदोष काल 28 मई की शाम को प्राप्त हो रहा है, इसलिए व्रत और पूजा इसी दिन की जाएगी। धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं तथा घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। श्रद्धालु इस दिन करियर, शिक्षा, विवाह और आर्थिक समस्याओं से राहत की कामना के साथ व्रत रखते हैं।

पूजा का शुभ मुहूर्त

प्रदोष व्रत के दिन शाम 7:04 बजे से रात 9:09 बजे तक शिव पूजा और रुद्राभिषेक का शुभ मुहूर्त रहेगा। इस दौरान श्रद्धालु भगवान शिव का अभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना कर सकते हैं।

पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। शाम को प्रदोष काल में शिवलिंग का जल, दूध, गंगाजल, दही और शहद से अभिषेक करें। इसके बाद बेलपत्र, धतूरा और सफेद पुष्प अर्पित करें। घी का दीपक जलाकर शिव चालीसा एवं गुरु प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें तथा अंत में शिव परिवार की आरती करें।

विशेष महत्व

ज्योतिष और धर्म शास्त्रों के अनुसार, अधिकमास में पड़ने वाला प्रदोष व्रत विशेष पुण्यदायी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा करने पर पापों का क्षय होता है और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

शिवजी की आरती

ॐ जय शिव ओंकारा
जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ।
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव अर्द्धांगी धारा ॥ ॐ जय शिव... ॥
एकानन चतुरानन पंचानन राजे ।
हंसानन गरुड़ासन वृषवाहन साजे ॥ ॐ जय शिव... ॥
दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज अति सोहे ।
त्रिगुण रूपनिरखता त्रिभुवन जन मोहे ॥ ॐ जय शिव... ॥
अक्षमाला बनमाला रुण्डमाला धारी ।
चंदन मृगमद सोहै भाले शशिधारी ॥ ॐ जय शिव... ॥
श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे ।
सनकादिक गरुणादिक भूतादिक संगे ॥ ॐ जय शिव... ॥
कर के मध्य कमंडलु चक्र त्रिशूल धर्ता ।
जगकर्ता जगभर्ता जगसंहारकर्ता ॥ ॐ जय शिव... ॥
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका ।
प्रणवाक्षर मध्ये ये तीनों एका ॥ ॐ जय शिव... ॥
काशी में विश्वनाथ विराजत नन्दी ब्रह्मचारी ।
नित उठि भोग लगावत महिमा अति भारी ॥ ॐ जय शिव... ॥
त्रिगुण शिवजीकी आरती जो कोई नर गावे ।
कहत शिवानन्द स्वामी मनवांछित फल पावे ॥ ॐ जय शिव... ॥

शिवलिंग पर क्या चढ़ाना शुभ

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत पर शिवलिंग पर कुछ विशेष वस्तुएं अर्पित करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। बेलपत्र : भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय माना जाता है। इसे अर्पित करने से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और वैवाहिक सुख में वृद्धि होती है। जल : शिवलिंग पर जल चढ़ाना सबसे सरल और पुण्यदायी उपाय माना गया है। इससे मानसिक शांति और पारिवारिक कलह से राहत मिलती है। दूध और दही : शिवलिंग पर दूध और दही से अभिषेक करने से मानसिक तनाव कम होता है तथा घर में सुख-शांति बनी रहती है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार इससे चंद्र दोष भी शांत होता है। भांग : भगवान शिव को भांग अर्पित करना भी शुभ माना जाता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है। अनाज : शिवलिंग पर अनाज अर्पित करने से घर में अन्न और धन की कमी नहीं रहती तथा महादेव की कृपा बनी रहती है। धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष व्रत श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और भक्त की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

हनुमान ध्वज और पवित्र चौपाइयों से घर में बनी रहती है सकारात्मक ऊर्जा

सनातन धर्म में भगवान हनुमान को संकटमोचक और भय को दूर करने वाला देवता माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जिस घर पर हनुमान जी की कृपा रहती है, वहां नकारात्मक शक्तियां और अशांति अधिक समय तक नहीं टिकतीं। इसी कारण कई लोग अपने घर की छत पर हनुमान ध्वज लगाते हैं और मुख्य द्वार पर रामचरितमानस की पवित्र चौपाइयां लिखवाते हैं।

छत पर हनुमान ध्वज लगाने की परंपरा

धार्मिक मान्यता है कि घर की छत पर लाल या भगवा रंग का हनुमान ध्वज लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। लाल रंग को शक्ति, साहस और उत्साह का प्रतीक माना गया है। मान्यता के अनुसार जहां हनुमान ध्वज स्थापित होता है, वहां बुरी नजर और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम हो जाता है। पौराणिक दृष्टि से भगवान हनुमान, श्रीराम के परम भक्त माने जाते हैं। ऐसे में हनुमान ध्वज लगाने से श्रीराम और हनुमान दोनों की कृपा प्राप्त होने की मान्यता है। विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को ध्वज स्थापित करना शुभ माना जाता है। कई श्रद्धालु ध्वज लगाने से पहले सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ भी करते हैं।

मुख्य द्वार पर चौपाई लिखवाने का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर का मुख्य द्वार ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख स्थान माना जाता है। इसी कारण द्वार पर पवित्र चौपाइयां लिखवाने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। विशेष रूप से यह चौपाई शुभ मानी जाती है–

'मंगल भवन अमंगल हारी।
द्रवहु सुदसरथ अजिर बिहारी॥'

इसके साथ ही संकटों को दूर करने वाली यह चौपाई भी प्रभावशाली मानी जाती है–

'दीन दयाल बिरदु संभारी।
हरहु नाथ मम संकट भारी॥'

धार्मिक मान्यता है कि इन चौपाइयों के स्मरण और लेखन से घर में शांति, शुभता और सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

स्वच्छता और सम्मान का रखें ध्यान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान ध्वज हमेशा स्वच्छ और सम्मानजनक स्थिति में होना चाहिए। फटा हुआ या धूल-मिट्टी से भरा ध्वज शुभ नहीं माना जाता। वहीं, मुख्य द्वार पर लिखी चौपाइयों की शुद्धता और साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखना आवश्यक माना गया है।

एफआईएच प्रो लीग : हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम घोषित

यूरोपीय दौरे पर पाकिस्तान-इंग्लैंड से भिड़ेगा भारत

हॉकी इंडिया ने 24 सदस्यीय मजबूत टीम का किया ऐलान, विश्व कप तैयारियों पर फोकस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

हॉकी इंडिया ने बुधवार को एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। स्टार डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह व्यक्तिगत कारणों से फरवरी में होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करते हुए एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे।

भारतीय टीम इस दौरे के दौरान नीदरलैंड, जर्मनी, इंग्लैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों से भिड़ेगी। यह दौरा आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय टीम 7 से 9 जून तक बेल्जियम के ब्रुसेल्स में तैयारी शिविर और अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 10 जून से नीदरलैंड के रॉटरडैम में रहेगी, जहां प्रो लीग मुकाबले खेले जाएंगे। रॉटरडैम चरण के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के लंदन जाएगी, जहां पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले होंगे।

टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण रखा गया है। चयनकर्ताओं ने आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए कोर टीम को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। रक्षा पंक्ति में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह और युवा खिलाड़ी अमनदीप लकड़ा शामिल हैं। मिडफील्ड की जिम्मेदारी हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर होगी। आक्रमण में मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी जैसे तेजतर्रार फॉरवर्ड टीम की ताकत होंगे। हॉकी इंडिया ने पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की भी घोषणा की है। इनमें गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, फॉरवर्ड अराइजीत सिंह हुंडाल और मनिंदर सिंह, डिफेंडर पूवन्ना चंदूरा बॉबी तथा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह शामिल हैं। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, टीम का प्रशिक्षण शानदार चल रहा है और खिलाड़ी बेहतरीन लय में हैं। जून में नीदरलैंड और इंग्लैंड में होने वाले प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय टीम

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा। **डिफेंडरः** हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह। **मिडफील्डरः** हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम। **फॉरवर्डः** मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी।

भारत के मुकाबलों का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार)

रॉटरडैम, नीदरलैंडः 14 जूनः नीदरलैंड बनाम भारत – शाम 7:30 बजे। 17 जूनः भारत बनाम जर्मनी – रात 11:00 बजे। 18 जूनः जर्मनी बनाम भारत – रात 11:00 बजे। 21 जूनः नीदरलैंड बनाम भारत – शाम 5:30 बजे।

लंदन, इंग्लैंडः 23 जूनः पाकिस्तान बनाम भारत – शाम 7:00 बजे। 25 जूनः इंग्लैंड बनाम भारत – रात 12:00 बजे। 26 जूनः भारत बनाम पाकिस्तान – रात 10:30 बजे। 28 जूनः इंग्लैंड बनाम भारत – रात 8:30 बजे।

फ्रेंच ओपन 2026 : यानिक सिनर ने आसान जीत के साथ दूसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी (हि.स.)
पेरिस

फोटोः हि.स.

विश्व नंबर-1 इटली के यानिक सिनर ने फ्रेंच ओपन 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरूआत करते हुए फ्रांस के क्लेमेंट तबूर को सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। दो बार के मौजूदा चैम्पियन कार्लोस अल्काराज चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं, ऐसे में सिनर को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। कोर्ट फिलिप शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में सिनर ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को संभलने का मौका नहीं दिया।

24 वर्षीय सिनर इस मुकाबले में लगातार 29 मैचों की जीत के साथ उतरे थे। इस दौरान उन्होंने केवल तीन सेट गंवाए थे और इसी महीने सभी मास्टर्स 1000 खिताब पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की थी। सिनर ने मैच की शुरूआत में ही तबूर की सर्विस तोड़कर 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने एक और ब्रेक हासिल करते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। दमदार फोरहैंड विनर के साथ उन्होंने पहला सेट आसानी से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी इतालवी खिलाड़ी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखा और बिना ज्यादा परेशानी के सेट जीत लिया। तीसरे सेट में फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लेमेंट तबूर ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए और घरेलू दर्शकों का भरपूर समर्थन हासिल किया। विश्व रैंकिंग में 171वें स्थान पर मौजूद तबूर ने कुछ समय के लिए सिनर पर दबाव भी बनाया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मैच पर दोबारा नियंत्रण स्थापित कर लिया। उनकी सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स और लगातार आक्रामक खेल के सामने तबूर ज्यादा देर टिक नहीं सके। जीत के बाद यानिक सिनर ने कहा, मैं यहां वापस आकर बेहद खुश हूं। इस कोर्ट से मेरी कई शानदार यादें जुड़ी हैं। पहले दौर के मुकाबले कभी आसान नहीं होते। उन्होंने फ्रांसीसी दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा, समर्थन के लिए धन्यवाद। मुझे पता है कि मैं एक फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहा था, फिर भी दर्शकों ने निष्पक्षता दिखाई।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

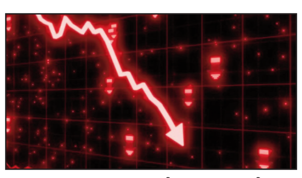

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। बुधवार के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक रिकवर कर हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.23 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, एटरनल और डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज के शेयर 3.72 प्रतिशत से लेकर 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, ओएनजीसी, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 4.06 प्रतिशत से लेकर 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,686 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,690 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 996 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 15 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

सराफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में बुधवार शुरूआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में ये चमकीली धातु 470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,58,880 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,45,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में भी 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,030 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

गोयल ने कनाडा के निवेशकों को स्वच्छ ऊर्जा एआई क्षेत्र में भागीदारी के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

तीन दिन के आधिकारिक दौरे पर कनाडा गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को वहां प्रमुख पेंशन कोष, सॉवरेन और संस्थागत निवेशकों के साथ बैठकें कीं। गोयल ने इन बैठकों में निवेशकों को भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) डिजिटल ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भागीदारी का न्योता दिया।

बैठक में गोयल ने सतत विकास और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय बाजारों में सहयोग को और गहरा करने के अवसरों की तलाश करने का भी आान किया। गोयल ने कहा कि विशेष रूप से सनलाइफ फाइनेंशियल के प्रमुख केविन स्ट्रेन के साथ हुई बैठक में बीमा, सेवानिवृत्ति समाधान, स्वास्थ्य वित्तपोषण और भारत के तेजी से बढ़ते वित्तीय सेवा क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई।

कई प्रमुख कारोबारी दिग्गजों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंगस के वी प्रेम वत्स, मनुलाइफ फाइनेंशियल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिलिप विदरिंगटन, सनलाइफ कनाडा के अध्यक्ष और सीईओ केविन स्ट्रेन, टोरंटो डोमिनियन बैंक समूह के अध्यक्ष और सीईओ रेमंड चुन, नियो परफार्मेंस मैटिरियल्स के अध्यक्ष और सीईओ रहीम सुलेमान और मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष और सीईओ मैक्स कोइयून शामिल रहे।

संक्षिप्त-समाचार

निहाल सरीन ने ईस्पोर्ट्स विश्व कप की शतरंज स्पर्धा के लिए किया क्वालीफाई

मुंबई। भारतीय ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन ने चैंपियंस शतरंज टूर (सीसीटी) लीडरबोर्ड के आधार पर पेरिस में होने वाले ईस्पोर्ट्स विश्व कप (ईडब्ल्यूसी) की शतरंज प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ईस्पोर्ट्स और गेमिंग कंटेंट कंपनी एस8यूएल का प्रतिनिधित्व करने वाले निहाल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले अरविंद चिदंबरम भी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। ईडब्ल्यूसी की शतरंज प्रतियोगिता 11 से 15 अगस्त तक आयोजित होगी, जिसमें 15 लाख डॉलर (करीब 14.3 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि दांव पर रहेगी। ईस्पोर्ट्स विश्व कप का आयोजन छह जुलाई से 23 अगस्त तक किया जाएगा। इसमें 100 से अधिक देशों के करीब 200 क्लबों के 2,000 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 718 करोड़ रुपये से अधिक होगी। चैंपियंस शतरंज टूर सत्र में 'स्पीड शतरंज चैंपियनशिप 2025' और 'शतरंज डॉट कॉम ओपन 2026' जैसी प्रमुख प्रतियोगिताएं शामिल थीं। निहाल सीसीटी में चौथे स्थान पर रहे और सीधे क्वालीफिकेशन से एक स्थान पीछे रह गए। हालांकि, उन्हें 100 लीडरबोर्ड अंक मिले। इसके बाद 'टाइटल्ड ट्यूजडे ग्रां प्री' सर्किट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर उन्होंने अतिरिक्त अंक जुटाए और कुल 139 अंक के साथ ईडब्ल्यूसी 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली।

स्कोरबोर्ड के दबाव और खराब क्षेत्ररक्षण से मिली हार : ग्लेन फिलिप्स

धर्मशाला। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली 92 रन की हार के लिए स्कोरबोर्ड के दबाव और खराब क्षेत्ररक्षण को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम इस हार को पीछे छोड़ते हुए अगले मुकाबले में मजबूत वापसी करेगी। आरसीबी ने कप्तान रजत पाटीदार की 93 रन की नाबाद विस्फोटक पारी की बदौलत पांच विकेट पर 254 रन बनाए। जवाब में गुजरात टाइटन्स की टीम दबाव में बिखर गई और 162 रन पर ऑल आउट हो गई। मैच में नहीं खेलने वाले फिलिप्स ने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, खासकर तब जब शुरूआत अच्छी न मिले। उन्होंने कहा, 250 रन का लक्ष्य किसी भी दिन मुश्किल होता है। जब आप इतने बड़े स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं तो स्कोरबोर्ड का दबाव काफी बढ़ जाता है। बहुत कम टीमें ही ऐसे लक्ष्य हासिल कर पाती हैं। फिलिप्स ने कहा कि टीम ने पूरा प्रयास किया, लेकिन बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय हर चीज का सही होना जरूरी होता है और इस मैच में ऐसा नहीं हो सका। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने माना कि गुजरात का क्षेत्ररक्षण उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने रजत पाटीदार का कैच छोड़ने को मैच का अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, प्लेऑफ मुकाबलों में क्षेत्ररक्षण बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर आप कैच छोड़ते हैं तो उसकी कीमत चुकानी पड़ती है। रजत का कैच छोड़ना हमारे लिए भारी साबित हुआ। फिलिप्स ने कहा कि टीम के लिए सकारात्मक बात यह है कि प्लेऑफ प्रारूप के कारण उसे एक और मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि बड़ी हार से उबरना कभी-कभी आसान होता है क्योंकि टीम यह मानकर आगे बढ़ सकती है कि वह उसका दिन नहीं था।

सीनियर स्तर के पहले अंतरराष्ट्रीय फाइनल में पार्थ माने सातवें स्थान पर

म्यूनिख। भारत के युवा निशानेबाज पार्थ राकेश माने ने आईएसएसएफ विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के सीनियर फाइनल में सातवां स्थान हासिल किया। यह सीनियर स्तर पर भारत के लिए उनका पहला अंतरराष्ट्रीय फाइनल था। महाराष्ट्र के 18 वर्षीय पार्थ ने क्वालिफिकेशन दौर में 633.6 अंक जुटाकर जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 149 निशानेबाजों के बीच तीसरा स्थान हासिल किया। उनसे आगे केवल चीन के झांग चांगहोंग और स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन रहे। फाइनल में पार्थ ने अच्छी शुरूआत करते हुए शुरूआती चरण में चौथा स्थान हासिल किया, लेकिन बाद के दौर में प्रतिस्पर्धा कड़ी होने के कारण वह 145.8 अंक के साथ सातवें स्थान पर बाहर हो गए। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक चीन के झांग चांगहोंग ने जीता। दक्षिण कोरिया के शिन मिनकी को रजत और स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन को कांस्य पदक मिला। क्वालिफिकेशन में भारत के शाहू तुषार माने ने 630.5 अंक के साथ 25वां और अर्जुन बाबूता ने 627.5 अंक के साथ 63वां स्थान हासिल किया। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत को निराशा हाथ लगी। सम्राट राणा 582 अंक लेकर 14वें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। अजेंद्र सिंह चौहान 28वें और श्रवण कुमार 46वें स्थान पर रहे। भारत के जोनाथन गेविन एंटनी ने 585 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया, लेकिन वह केवल रैंकिंग अंक के लिए खेल रहे थे, इसलिए फाइनल में हिस्सा नहीं ले सके। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में ईशा सिंह ने प्रिसिजन राउंड में 293 अंक बनाकर छठा स्थान हासिल किया।

आक्रामक बल्लेबाजी और सकारात्मक इरादे ने बदला मैच का रुख : रजत पाटीदार

धर्मशाला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालीफायर मुकाबले में मिली 92 रन की बड़ी जीत का श्रेय टीम की आक्रामक बल्लेबाजी और सकारात्मक मानसिकता को दिया। पाटीदार ने 33 गेंदों में नाबाद 93 रन की विस्फोटक पारी खेलकर आरसीबी को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी शानदार बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने पांच विकेट पर 254 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम 162 रन पर सिमट गई। प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए पाटीदार ने मैच के बाद कहा, यह हमारे लिए शानदार मुकाबला रहा। बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक इरादा दिखाया और उसी ने मैच का रुख बदल दिया। पाटीदार ने कहा कि टीम किसी तय रणनीति के बजाय सकारात्मक सोच के साथ मैदान में उतरी थी। उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी की बॉडी लैंग्वेज बता रही थी कि वह मुकाबले के लिए तैयार है। हम मानसिक रूप से मजबूत थे और उसी का फायदा मिला। अपनी बल्लेबाजी को लेकर पाटीदार ने कहा कि वह शुरूआत में कुछ गेंदें लेकर पिच को समझने की कोशिश करते हैं। इसके बाद उनका ध्यान गेंदबाजों पर दबाव बनाने पर रहता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

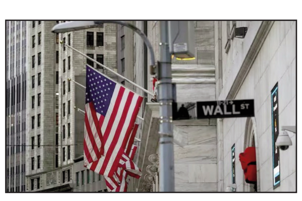

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बुधवार बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वहीं यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। इसी तरह एशियाई बाजार में बुधवार मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सेमीकंडक्टर स्टॉक्स में आई तेजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर से मिल रही सकारात्मक खबरों के कारण एस एंड पी 500 इंडेक्स और नैस्डेक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,519.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 312.21 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की उछाल के साथ 26,656.18 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 118.02 अंक यानी 0.23 प्रतिशत टूट कर 50,461.68 अंक के स्तर पर आ गया।

वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,520.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,491.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,173.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 204.21 अंक यानी 0.81 प्रतिशत फिसल कर 25,184.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,028.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 219.45 अंक यानी 0.86 प्रतिशत टूट कर 25,380 अंक के स्तर पर आ गया है।

अनुभवी खेल प्रशासक और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता रणधीर सिंह का निधन

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ प्रशासक और एशियाई खेलों में निशानेबाजी में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले रणधीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे रणधीर सिंह ने दिल्ली स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। इससे पहले वह कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहे थे। रणधीर सिंह हाल ही में स्वास्थ्य कारणों के चलते एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुके थे। उन्हें वर्ष 2024 में चार साल के कार्यकाल के लिए इस पद पर चुना गया था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रणधीर सिंह एक प्रतिष्ठित ओलंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता और भारत सहित एशिया के सबसे सम्मानित खेल प्रशासकों में शामिल थे। निशानेबाजी और ओलंपिक आंदोलन के विकास में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। रणधीर सिंह ने अपने शानदार खेल करियर में पांच ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 1978 बैंकॉक एशियाई खेलों में ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

स्टॉक मार्केट में पंजाबी अंगीठी की धमाकेदार शुरूआत, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पंजाबी अंगीठी के नाम से देश के कई हिस्सों में रेस्टोरेंट चेन चलाने वाली कंपनी वेगोरामा पंजाबी अंगीठी के शेयरों ने बुधवार स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 77 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 53.38 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 118.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण ये शेयर कुछ ही देर में उछल कर 124 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 47 रुपये यानी 61.04 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। वेगोरामा पंजाबी अंगीठी का 38.38 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 35.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 26.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 63.93 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 27.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 49.84 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 29 करोड़ रुपये के 37.36 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि लगभग आठ करोड़ रुपये के 9.968 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।

सामूहिक प्रदर्शन ने आरसीबी को बनाया 'पूर्ण टीम' : मो बोबाट

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने गुजरात टाइटन्स पर बड़ी जीत के बाद टीम के सामूहिक प्रदर्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का एकजुट होकर योगदान देना ही आरसीबी को एक 'पूर्ण टीम' बनाता है। गत चैंपियन आरसीबी ने क्वालीफायर-1 में गुजरात टाइटन्स को हराकर लगातार दूसरी बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में जगह बनाई। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाए और फिर गुजरात को 162 रन पर समेट दिया।

आरसीबी की जीत में कप्तान रजत पाटीदार की 33 गेंदों पर 93 रन की विस्फोटक नाबाद पारी और गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन की अहम भूमिका रही। मैच के बाद बोबाट ने कहा कि पिछले दो सत्रों में टीम की सबसे बड़ी ताकत यही रही है कि दबाव के क्षणों में अलग-अलग खिलाड़ी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि हमारी जीत में कई खिलाड़ी योगदान दे रहे हैं। हम सिर्फ एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। अगर हर खिलाड़ी अपनी भूमिका सही ढंग से निभाए तो अच्छे नतीजे अपने आप मिलते हैं। बोबाट ने कहा कि फाइनल में पहुंचना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है, लेकिन उससे भी ज्यादा संतोषजनक बात खिलाड़ियों का सामूहिक प्रदर्शन है। बोबाट ने कप्तान रजत पाटीदार की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने दबाव की स्थिति में शानदार जिम्मेदारी निभाई।

नॉर्वे शतरंज 2026 | दूसरे दौर में भी दिखा रोमांच

आर. प्रज्ञानानंद को फिरोजा ने हराया

दिव्या देशमुख ने हम्पी को दी मात

एजेंसी (हि.स.)
ओस्लो (नॉर्वे)

नॉर्वे शतरंज 2026 के दूसरे दौर में मंगलवार को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार संघर्ष किया और कई मुकाबलों का फैसला आर्मेगेडन टाईब्रेक में हुआ। दूसरे दौर का एकमात्र क्लासिकल मुकाबला फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलिरेजा फिरोजा ने भारतीय स्टार आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ जीता।

मुकाबले में फिरोजा ने मिडिल गेम के बाद धीरे-धीरे दबाव बनाया और सटीक खेल के दम पर लगातार दूसरी क्लासिकल जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ उन्होंने अंक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन और जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विन्सेंट कीमर के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला क्लासिकल प्रारूप में ड्रॉ रहा। कार्लसन लंबे समय तक बढ़त बनाते नजर आए, लेकिन कीमर ने कठिन स्थिति में शानदार बचाव करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया। हालांकि, आर्मेगेडन टाईब्रेक में कार्लसन ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच भी लंबा रणनीतिक मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मेगेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। नॉर्वे शतरंज महिला वर्ग में भी दूसरा दौर बेहद रोमांचक रहा। तीनों क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे और सभी का फैसला आर्मेगेडन में हुआ। टूर्नामेंट की शीर्ष खिलाड़ी बिबिसारा असाउबायेवा ने चीन की झू जिनर को आर्मेगेडन में हराकर अपनी बढ़त बरकरार रखी। कजाखस्तान की इस ग्रैंडमास्टर ने तेज समय नियंत्रण में शानदार खेल दिखाया। भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में दिव्या देशमुख ने कोनेरू हम्पी को आर्मेगेडन टाईब्रेक में पराजित किया।

दोनों खिलाड़ियों के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन निर्णायक मुकाबले में दिव्या ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। एक अन्य मुकाबले में अन्ना म्यूजिचुक ने महिला विश्व चैम्पियन जू वेनजुन को आर्मेगेडन में हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए। नॉर्वे शतरंज 2026 का आयोजन 25 मई से 5 जून तक ओस्लो में किया जा रहा है। टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष पुरुष और महिला शतरंज खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

विज का बिजली कॉल सेंटर पर औचक निरीक्षण शिकायत समाधान व्यवस्था की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- 1912 हेल्पलाइन पर हर शिकायत का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी : अनिल विज
- शहरी क्षेत्रों में 2 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 4 घंटे में शिकायत निवारण के निर्देश

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने आज पंचकूला स्थित उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के कॉल सेंटर का औचक निरीक्षण कर बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कॉल सेंटर में आने वाली शिकायत कॉल्स, उनके समाधान की प्रक्रिया तथा उपभोक्ताओं को दिए जा रहे रिस्पॉन्स की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली।

औचक निरीक्षण के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 1912 कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी उपभोक्ता को बिजली आपूर्ति या बिलिंग संबंधी कोई समस्या आती है तो वह सीधे कर्मचारियों को फोन करने की बजाय 1912 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाए, ताकि शिकायतों की मॉनिटरिंग पारदर्शी तरीके से हो सके और उपभोक्ताओं व कर्मचारियों के बीच किसी प्रकार की असुविधा या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

श्री विज ने बताया कि पंचकूला स्थित इस कॉल सेंटर में लगभग 250 कर्मचारी 24 घंटे कार्यरत रहते हैं और बिजली से संबंधित शिकायतों को लगातार अटेंड करते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं यह देखने के लिए यहां पहुंचे हैं कि शिकायतों का निस्तारण तय समयसीमा के भीतर और प्रभावी ढंग से हो रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई उपभोक्ताओं से सीधे फोन पर बातचीत कर शिकायत समाधान की स्थिति की जानकारी ली। कुछ उपभोक्ताओं ने समाधान पर संतोष जताया, जबकि कुछ मामलों में अपेक्षित रिस्पॉन्स न मिलने की बात सामने आई, जिस पर उन्होंने अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शहरी क्षेत्रों में बिजली संबंधी शिकायतों का समाधान अधिकतम दो घंटे के भीतर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में चार घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि आज कॉल सेंटर में लगभग 2500 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से आधी शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि शेष शिकायतों पर तेजी से कार्य जारी है।

मोरनी क्षेत्र की एक शिकायत का उल्लेख करते हुए श्री विज ने बताया कि वहां पिछले दिन से बिजली आपूर्ति बाधित थी। इस संबंध में उन्होंने तत्काल संबंधित अधीक्षण अभियंता से बातचीत कर मौके पर स्टाफ भेजने और शीघ्र बिजली बहाल करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, रोहतक क्षेत्र में अधिक शिकायतें मिलने पर उन्होंने वहां के अधिकारियों को भी शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

श्री विज ने कहा कि उन्होंने स्वयं अपने मोबाइल फोन से भी कॉल सेंटर में एक शिकायत दर्ज कर उसकी कार्यप्रणाली की जांच की। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो कॉल सेंटर में अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती भी की जाएगी ताकि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का और अधिक तेजी एवं प्रभावी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

औचक निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और शिकायतों के समाधान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार उपभोक्ताओं को बेहतर, पारदर्शी और जवाबदेह बिजली सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पुलिस ड्रग्स बेचने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर उन्हें पकड में ले: सतपाल शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में आज नशीले पदार्थों के उपयोग की रोकथाम के लिये जिला स्तरीय एनकोर्ड कमेटी की आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। डीसी ने पुलिस उपायुक्त को निर्देश दिए कि ड्रग्स बेचने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर उनकी धडपकड तेज करें ताकि युवा पीढ़ी को नशे से बचाया जा सके। उपायुक्त ने पुलिस उपायुक्त को निर्देश देते हुए कहा कि जिले को नशामुक्त बनाने के लिए विशेष पैट्रोलिंग और ड्रग तस्करों पर रेड करके पकडने के निर्देश दिए ताकि जिला के युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके।

उपायुक्त ने पुलिस विभाग द्वारा शुरू किए गए टोलफ्री नंबर 7087081100 पर मादक पदार्थों की तस्करी और उपयोग से संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने और मादक पदार्थों को जब्त करने के साथ-साथ इस अवैध धंधे में संलिप्त लोगों को पकड़ कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित सभी शिक्षण संस्थानों व अन्य अधिकारियों से जिले में ड्रग्स का सेवन रोकने के सुझाव मांगे और एंटी ड्रग्स कमेटी प्रत्येक शिक्षण संस्थान में बनाने के निर्देश दिए। उन्होने सभी शिक्षण संस्थानों को अपने अपने शिक्षण संस्थानों में ड्रग्स के दुष्प्रभाव में बारे में जागरूकता शिविर व नुक्कड नाटक या सेमिनार के माध्यम से स्कूल व कालेज में चस्पा करने व विद्यार्थियों को जागरूक करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी शिक्षण संस्थान नशे के दुष्प्रभाव को बताने के लिए जागरूकता अभियान चलाए ताकि युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के परिणाम पता लग सके।

उन्होंने पुलिस विभाग को जिला में ऐसे स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए जहां नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री की संभावना है। उन्होंने कहा कि हम सभी को नशा करने वाले के अलावा नशा बेचने वाले तक पहुंचने से ही नशे का सेवन रोका जा सकता है। उन्होने पुलिस व शिक्षण संस्थान को अपनी इंटैलिजैंस को बढाकर नशा करने वाले से नशा कहां से मिला है इसका पता लगाना बेहद जरूरी है। उन्होने बताया कि एनकोड कमेटी का मुख्य उद्देश्य जिला में नशाखोरी को पूर्णतः रोक कर जिलावासियों को नशे से बचाना है।

श्री सतपाल शर्मा ने बैठक में ड्रग डी एडिक्शन सैंटर्स का भी संबंधित अधिकारियों को मासिक दौरा व मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम कालका संयम गर्ग, नगराधीश जागृति, एसीपी क्राईम अरविंद कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ संदीप जैन, डिप्टी डीईओ रमेश बत्रा, डीएसओ राजबीर सिंह, गवर्मेंट पीजी कालेज से डॉ सरोज बाला, सैक्टर-1 कालेज से सुभाष चंद्र, गवर्मेंट कालेज रायपुररानी से शवेता शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में फायर सेफ्टी कार्यशाला में कर्मियों ने सीखे अग्नि सुरक्षा के गुर

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला में फायर सेफ्टी (अग्नि सुरक्षा) कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों को आगजनी की घटनाओं से बचाव, नियंत्रण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई का प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा, डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी तथा डीन इंचार्ज प्रोफेसर सतीश गंधर्व के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में कर्मियों को फायर सेफ्टी यंत्रों को चलाने की भी जानकारी दी गई।

संस्थान के उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गौरव गर्ग ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आगजनी जैसी आपात परिस्थितियों में घबराने के बजाय संयम और सतर्कता के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कर्मचारियों से फायर सेफ्टी नियमों का नियमित रूप से पालन करने तथा अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की जानकारी रखने का आह्वान किया। प्रोफेसर प्रह्लाद रघु ने कर्मचारियों को बताया कि आग लगने पर सबसे पहले विद्युत सप्लाई बंद करनी चाहिए और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थान में अग्नि सुरक्षा को लेकर आयोजित कार्यशाला कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक बनाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संस्थान के सुरक्षा कर्मी दारा सिंह ने विभिन्न प्रकार की आग तथा उन्हें बुझाने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिजली से लगी आग पर पानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए, बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड अथवा ड्राई केमिकल पाउडर आधारित अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. समित मसंद, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रितेश, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आकांक्षा राणा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गरिमा गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पूजा हसनजी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धवल मकवाना, असिस्टेंट प्रोफेसर चंद्रमोहन, असिस्टेंट प्रोफेसर महेश एम, मेडिकल ऑफिसर डॉ. भवकीर्ति, फिजियोथैरेपिस्ट शैफाली दीक्षित, तथा लेखा अधिकारी दीपक राणा सहित नर्सिंग स्टाफ, एमटीएस और हाउस कीपिंग स्टाफ के कर्मी मौजूद रहे।

बाल हित सर्वोपरि के सिद्धांत पर हो बच्चों की देखभाल: तृप्ति श्योराण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने बाल देखभाल संस्थानों की कार्यप्रणाली और पुनर्वास पर ली समीक्षा बैठक

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष सुश्री तृप्ति श्योराण की अध्यक्षता में सैक्टर-6 स्थित आयोग कार्यालय में अम्बाला मंडल के अंतर्गत संचालित बाल देखभाल संस्थानों के कार्य संचालन, प्रबंधन, समन्वय एवं बच्चों के पुनर्वास से संबंधित विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अम्बाला, कुरुक्षेत्र, पंचकूला एवं यमुनानगर जिलों की बाल कल्याण समितियों के चेयरपर्सन, जिला बाल संरक्षण अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान बाल देखभाल संस्थानों में रह रहे बच्चों के पुनर्वास, सामाजिक पुर्नस्थापन, लंबित मामलों, बहाली प्रक्रिया, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, दत्तक ग्रहण तथा संस्थागत देखभाल व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

इसके अतिरिक्त बच्चों की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गुमशुदा एवं अन्य राज्यों से संबंधित मामलों, अनुदान एवं संस्थानों के पंजीकरण संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई।

सुश्री तृप्ति श्योराण ने निर्देश दिए कि संस्थागत देखभाल ह्बाल हित सर्वोपरिह्व के सिद्धांत एवं किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की भावना के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि संस्थानीकरण केवल अंतिम विकल्प के रूप में अपनाया जाए तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी एवं बाल कल्याण समितियां सौहार्दपूर्ण समन्वय के साथ कार्य करते हुए किंशिप केयर, स्पॉन्सरशिप, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर एवं दत्तक ग्रहण जैसे गैर-संस्थागत पुनर्वास विकल्पों को अधिक प्रोत्साहित करें।

उपायुक्त ने चिन्हित अपराधों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में जिला में चिन्हित अपराधों को लेकर गठित समिति की आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होने कहा कि अपराधियों को सजा और पीड़ितों को न्याय दिलाना समिति का मुख्य उदेश्य है। उन्होने जिला में दर्ज विभिन्न संगीन अपराधों पर की गई कारवाई की समीक्षा करते हुए जांच में तेजी लाने और मामलों की गहनता और निष्पक्षता से जांच करके कानून के दायरे में अपराधियों को सजा दिलवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय मिल सके। बैठक में कुल 106 मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें 99 पुराने और 7 नए मामले शामिल हैं। बैठक में 2 नए मामलें और शामिल किए गए व एक पोक्सो एक्ट मामला व एक आर्म्स एक्ट का मामला सूची से हटाये गए हैं। इन मामलों में महिलाओं के विरूद्ध अपराध, जघन्य अपराध, पासपोर्ट एक्ट, हरियाणा पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, एनडीपीएस कर्मशियल क्वांटिटी और गैंगवारध्वाईलेशन से संबंधित मामले शामिल है। चर्चा के उपरांत बैठक में 1 नए मामलों को चिन्हित अपराध की श्रेणी में शामिल करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में मामलों से संबंधित कानूनी पहलुओं पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि महिलाओं के विरूद्ध अपराध के मामलों में सभी साक्ष्यों को जुटाया जाए और माननीय न्यायालय में मजबूती से मामले की पैरवी की जाए ताकि अपराधी बच न सके और उसे कडी सजा मिले। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे संगीन मामलों में जल्द सुनवाई के लिए माननीय न्यायालय से अनुरोध किया जाना चाहिए। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने उपायुक्त को विस्तार से सभी मामलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया मार्च और अप्रैल के महीने में पंचकूला के सैक्टर-20 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 3 किलो हैरोईन, रायपुररानी थाने के अंर्तगत 302 ग्राम हैराईन के साथ दो लोगों को पकड़ा और पिंजौर में लगभग 2600 टैबलेट की पकड की गई। उपायुक्त ने डीसीपी को निर्देश दिये कि पुलिस अपने गवाही पर समय पर पहुंचना सुनिश्चित करे व बाकि मामलों की जांच प्रक्रिया में तेजी ला कर जल्द से जल्द निपटान किया जाए। जिन संगीन अपराधिक मामलों में आरोप तय हो चुके है, ऐसे मामलों में न्यायालय के माध्यम से अपराधियों को कानून के अनुसार सजा दिलवाना सुनिश्चत किया जाए ताकि आपराधिक प्रवृति के लोगों में कड़ा संदेश जाए और वे इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहें।

जिला न्यायवादी अनुराग हुड्डा ने उपायुक्त को विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किए गए मामलों में की गई कार्रवाई की प्रगति के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिला न्यायवादी ने उपायुक्त को आश्वासन दिलाया कि आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया में और तेजी लाते हुए न्यायालय के माध्यम से अपराधियों को कानून के अनुसार सजा दिलवाना सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम कालका संयम गर्ग, नगराधीश जागृति, अतिरिक्त न्यायवादी आकाश कुमार, सेंट्रल जेल अंबाला से डीएसपी गीता, एसीपी क्राईम अरविंद कंबोज, सिविल सर्जन आफिस से डिप्टी सीएमओ डॉ संदीप जैन, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खेलो इंडिया लघु केंद्र योजना के तहत जिले में खेलो इंडिया लघु केंद्र किए जाएंगे संचालित

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- पास्ट चैंपियन खिलाड़ी 1 जून तक कर सकते हैं आवेदन

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खेलो इंडिया लघु केंद्र योजना के तहत जिले में खेलो इंडिया लघु केंद्र संचालित किए जाएंगे, जिनके लिए पास्ट चैंपियन खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी श्री राजबीर सिंह रंगा ने बताया कि यदि कोई इच्छुक पास्ट चैंपियन खिलाड़ी इस योजना के तहत खेलो इंडिया लघु केंद्र के लिए आवेदन करना चाहता है, तो वह 1 जून तक अपना आवेदन भरकर ताऊ देवी लाल खेल परिसर सेक्टर-3, जिला खेल अधिकारी कार्यालय में जमा करवा सकता है। उन्होंने बताया कि पूर्व चैंपियन एथलीटों के लिए पात्रता मानदंड निर्धारित किए गए हैं। प्रथम प्राथमिकता उस एथलीट को दी जाएगी, जिसने संबंधित खेल के मान्यता प्राप्त एनएसएफ संघ के अंतर्गत किसी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। द्वितीय प्राथमिकता उस एथलीट को दी जाएगी, जो मान्यता प्राप्त एनएसएफ द्वारा आयोजित सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक विजेता टीम या खेलो इंडिया गेम्स में पदक विजेता टीम का हिस्सा रहा हो। उन्होंने बताया कि तृतीय प्राथमिकता उस एथलीट को दी जाएगी, जो राष्ट्रीय एआईयू चैंपियनशिप में पदक विजेता टीम का हिस्सा रहा हो। इसी प्रकार चतुर्थ प्राथमिकता उस एथलीट को दी जाएगी, जिसने मान्यता प्राप्त एनएसएफ द्वारा आयोजित सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व किया हो अथवा खेलो इंडिया गेम्स में भाग लिया हो।

संक्षिप्त-समाचार

उपायुक्त ने प्रशिक्षण कार्यशाला को किया संबोधित

चंडीगढ़। उपायुक्त चंडीगढ़ श्री निशांत कुमार यादव, आईएएस ने आज ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत आगामी घर-घर सर्वेक्षण की तैयारियों के लिए गवर्नमेंट म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी, चंडीगढ़ में सर्वेक्षकों हेतु आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित किया। यह सर्वे अभियान कल से प्रारंभ होकर 15 जून, 2026 तक चलेगा। इससे पूर्व, सुश्री ईशा कंबोज, एचसीएस, निदेशक, गवर्नमेंट म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी, चंडीगढ़ ने सर्वेक्षकों को मिशन के उद्देश्यों, महत्व एवं क्रियान्वयन रणनीति के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र में घर-घर सर्वेक्षण की कार्यप्रणाली, डाटा संग्रह प्रक्रिया तथा इस राष्ट्रव्यापी पहल के अंतर्गत पांडुलिपियों की पहचान एवं दस्तावेजीकरण में सर्वेक्षकों की भूमिका पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

चंडीगढ़ को एशियन रिले चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी का अधिकार मिला

चंडीगढ़। शहर के खेल परिदृश्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में, एशियन एथलेटिक्स एसोसिएशन ने चंडीगढ़ को प्रतिष्ठित एशियन रिले चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी का अधिकार प्रदान किया है। मई 2027 में चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एशिया के प्रमुख देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे। यह आयोजन चंडीगढ़ को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। वर्ष 1989 में आयोजित एशियन रोइंग चैंपियनशिप के बाद यह पहला अवसर होगा जब चंडीगढ़ किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी करेगा। तीन दशकों से अधिक समय बाद यह शहर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस संबंध में निर्णय आज हांगकांग में आयोजित एशियन एथलेटिक्स एसोसिएशन की काउंसिल बैठक में लिया गया। माननीय प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़, श्री गुलाब चंद कटारिया के निर्देशों पर चंडीगढ़ की ओर से प्रस्तुति श्री मंदीप सिंह बराड़, गृह सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन तथा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के डायरेक्टर कॉम्पिटिशंस श्री रविंदर चौधरी द्वारा दी गई। इस चैंपियनशिप की मेजबानी मिलना खेल विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा शहर में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने हेतु किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

राशनकार्ड धारकों की मदद के लिए वालंटियर्स तैनात

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा शहर भर में राशन कार्ड लाभार्थियों के परिवारों के घर-घर जाकर खाद्य सब्सिडी को मोबाइल फोन आधारित प्रणाली में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया हेतु सिविल डिफेंस वालंटियर्स को तैनात किया गया है। इन दौरों के दौरान वालंटियर्स लाभार्थियों से आवश्यक विवरण, विशेष रूप से आधार से लिंक मोबाइल नंबर, एकत्रित करेंगे ताकि पात्र लाभार्थियों को खाद्य सब्सिडी सीधे उनके मोबाइल फोन के माध्यम से प्राप्त हो सके। सभी राशन कार्ड धारकों को सूचित किया जाता है कि सब्सिडी लाभों की निरंतरता हेतु यह विवरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है। जो लाभार्थी आवश्यक जानकारी एवं प्रक्रिया पूर्ण नहीं करेंगे, उन्हें भविष्य में सब्सिडी राशि प्राप्त होने में कठिनाई हो सकती है। अतः सभी राशन कार्ड लाभार्थियों से अनुरोध है कि वे घर-घर भ्रमण के दौरान सिविल डिफेंस वालंटियर्स का सहयोग करें तथा आवश्यक विवरण/दस्तावेज उपलब्ध करवाएं।

चंडीगढ़ में एसआईआर हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा यू.टी. चंडीगढ़ में घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों के तहत आज निर्वाचन विभाग द्वारा एमसीएम डीएवी कॉलेज, सेक्टर-36, चंडीगढ़ में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब वोटर अवेयरनेस फोरम के नोडल अधिकारियों तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एसआईआर प्रक्रिया के दिशा-निर्देशों एवं विभिन्न चरणों, गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया तथा दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान प्रपत्र 6 और 8 के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की टेस्टिमनी भी ली गई। हितधारकों को मतदाता जागरूकता फैलाने में उनकी भूमिका के प्रति भी संवेदनशील किया गया तथा केवल आधिकारिक एवं प्रमाणिक जानकारी पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई। आने वाले दिनों में बूथ लेवल एजेंट्स (इछअ) सहित अन्य हितधारकों के लिए भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने नो व्हीकल बुधवार पहल जारी रखी

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ आज भी ईंधन संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल आवागमन को बढ़ावा देने हेतु नो व्हीकल बुधवार पहल का पालन किया। यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक ने इस पहल के अंतर्गत आवागमन के लिए इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट का उपयोग किया। वहीं यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव एवं अन्य अधिकारियों ने सतत गतिशीलता को बढ़ावा देने और प्रदूषण कम करने के लिए साइकिल, इलेक्ट्रिक वाहनों, पैदल चलने, सीटीयू बसों तथा कारपूलिंग का उपयोग किया। प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए नागरिकों से भी पर्यावरण अनुकूल परिवहन के साधन अपनाने की अपील की।

युवा, निकोटीन और नई-पीढ़ी की लत: राष्ट्रीय तंबाकू शिखर सम्मेलन में विशेषज्ञों ने खतरे की घंटी बजाई

पीजीआई चंडीगढ़ ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 पर 6वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईचंडीगढ़ के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के तहत आने वाले तंबाकू नियंत्रण संसाधन केंद्र के सहयोग से, 26 मई 2026 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर 6वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सम्मेलन का मुख्य विषय था: आकर्षण का पर्दाफाश झ्र निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला। इस राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में प्रमुख नीति-निमार्ता, जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शोधकर्ता, चिकित्सक, युवा पैरोकार और तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में काम करने वाले अंतर्राष्ट्रीय नेता एक साथ आए। उन्होंने तंबाकू और निकोटीन की लत से पैदा हो रही बढ़ती चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया, विशेष रूप से युवाओं और कमजोर आबादी के बीच।

इस शिखर सम्मेलन में मुख्य भाषण दिए गए, तंबाकू नियंत्रण से जुड़े महत्वपूर्ण संसाधनों को जारी किया गया, और उच्च-स्तरीय पैनल चचाएँ आयोजित की गईं। इन चचाओं का मुख्य केंद्र वैश्विक तंबाकू नियंत्रण नीतियाँ, भारत में तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का लगातार बना हुआ आकर्षण, और वर्ष 2030 के लिए भारत की तंबाकू नियंत्रण प्राथमिकताएँ थीं। इस कार्यक्रम में पूरे भारत के 29 राज्यों से आए 600 से अधिक प्रतिभागियों और 12 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया, जिससे यह देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण मंचों में से एक बन गया।

इस शिखर सम्मेलन में जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को, टाटा मेमोरियल सेंटर, और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय जैसे संगठनों के 40 से अधिक जाने-माने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रो. (डॉ.) सोनू गोयल (मुख्य आयोजक और अध्यक्ष, फ्छळउ; तथा पीजीआईचंडीगढ़ में प्रोफेसर) ने उभरते हुए निकोटीन उत्पादों और युवाओं को लक्षित करने वाली भ्रामक प्रचार रणनीतियों के खिलाफ जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में कड़े कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, तंबाकू उद्योग फ्लेवर्ड उत्पादों, डिजिटल मार्केटिंग और युवाओं को गुमराह करने वाले संदेशों के जरिए अपनी रणनीतियों को लगातार नए रूप दे रहा है। इस बढ़ती चुनौती का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों और कानूनों के कड़े पालन को महत्व देना अत्यंत आवश्यक है।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप महानिदेशक और निदेशक (एटफ) डॉ. एल. स्वस्तिचरण ने तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में समन्वित राष्ट्रीय प्रयासों के महत्व पर विशेष जोर दिया। तंबाकू और निकोटीन की लत भारत के स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। साक्ष्य-आधारित नीतियां, विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग और जन जागरूकता ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की कुंजी हैं, उन्होंने कहा।

उन्होंने आगे कहा: भारत में हर पांचवां वयस्क बिना धुएं वाले तंबाकू का सेवन करता है। तंबाकू उद्योग इन उत्पादों को आकर्षक बनाकर पेश करता है और लगभग 16,000 अलग-अलग फ्लेवर के जरिए, इनकी विषाक्तता को कम करके दिखाते हुए इनकी लोकप्रियता बढ़ाने की कोशिश करता है।

तंबाकू नियंत्रण के जाने-माने विशेषज्ञ डॉ. पी. सी. गुप्ता, निदेशक, हीलिस-सेखसरिया इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ, नवी मुंबई ने सख्त कार्यान्वयन और निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत ने तंबाकू नियंत्रण में काफी प्रगति की है, लेकिन नए जमाने के निकोटीन उत्पाद और उद्योग का लगातार हस्तक्षेप, और भी मजबूत कार्यान्वयन और निरंतर जन स्वास्थ्य वकालत की मांग करते हैं। उन्होंने आगे कहा: यह उद्योग अपनी बनाई हुई लोकप्रियता और धोखे के कारण ही टिका हुआ है।

विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा किए गए आंकड़े दिखाते हैं कि आज के किशोर अक्सर इन उत्पादों के बारे में वयस्कों की तुलना में ज्यादा जानते हैं।